हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–260 : जौनपुर, शुक्रवार 23 जून 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

योगी ने जनता दरबार में सुनी फरियाद, निस्तारण के लिए दिया भरोसा

संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में जनता दरबार में फरियादियों की समस्याएं सुनी। सीएम योगी ने सभी को निस्तारण के लिए भरोसा दिया। साथ ही प्रभावी कदम उठाने के अफसरों को निर्देश दिए। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए पर्याप्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को निर्देशित किया है कि जो भी जरूरतमंद आयुष्मान हेल्थ कार्ड से वंचित रह गए हैं, उनके कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनवाए जाएं। जन स्वास्थ्य की रक्षा हमारा दायित्व है इसलिए किसी के इलाज में धन की बाधा नहीं आनी चाहिए। जिनके आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाएं हैं, उनके इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में बेहतर व्यवस्था बनाई जाए और इसके बाद भी जरूरत

पड़े तो हायर सेंटर में इलाज के लिए इस्टीमेट बनवाकर शासन को उपलब्ध कराएं। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर आर्थिक सहायता राशि जारी की जाएगी।सीएम योगी ने उक्त निर्देश गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान दीं। मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब सात सौ लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और बड़े इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया।मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को भरोसा दिलाया कि सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में दूसरे जिलों के भी लोग आए थे। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु आर्थिक सहायता की गुहार लेकर आए लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि इलाज में धन की कमी नहीं होने दी जाएगी।संबंधित अस्पताल से इस्टीमेट लेकर प्रक्रिया पूरी करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए। विवेकाधीन कोष से तत्काल सहायता राशि जारी करा दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस्टीमेट की प्रक्रिया को प्राथमिकता पर पूर्ण कराएं।इस दौरान पुलिस व राजस्व से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जिले स्तर पर ही समस्या का समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को परेशान न होना पड़े। उन्होंने दो टूक हिदायत देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में हीलाहवाली अक्षम्य होगी। हर व्यक्ति की समस्या का पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता से न्यायोचित समाधान शासन–प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है और इसमें किसी ने भी लापरवाही की तो उसे दंड का भागी बनना पड़ेगा। इसलिए अधिकारी संवेदनशीलता से लोगों की समस्याओं को सुनें और गुणवत्तापूर्ण, त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर की गोशाला पहुंचे और गोसेवा की। उन्होंने बड़े ही स्नेह से गोवंश को उनके नाम से पुकारा तो गोवंश दौड़ते उनके पास चले आए। सीएम ने गोवंश का माथा सहलाकर उन्हें दुलारा और अपने हाथों से गुड़ खिलाया।

मणिपुर में थम नहीं रही हिंसा, गृह मंत्री अमित शाह ने 24 जून को बुलाई सभी दलों की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ बैठक के तुरंत बाद शाह ने सर्वदलीय बैठक की घोषणा की। इस महीने की शुरुआत में शाह की मणिपुर यात्रा के बाद, सरम को कुकी और मेइतेई के बीच बातचीत सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में जातीय हिंसा पर चर्चा के लिए 24 जून को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक दिल्ली में दोपहर 3 बजे होगी। मणिपुर में 3 मई से मेइतेई और कुकी के बीच जातीय संघर्ष हुआ है, जिसमें 100 से अधिक लोग मारे गए हैं, 300 से अधिक घायल हुए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। बहुसंख्यक मेइती लोगों को अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल करने की मांग का विरोध करने के लिए हजारों लोगों ने एक विरोध मार्च में भाग लिया जिसके बाद हिंसा भड़क उठी। 21 जून को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ बैठक के तुरंत बाद शाह ने सर्वदलीय बैठक की घोषणा की। इस महीने की शुरुआत में शाह की मणिपुर यात्रा के बाद, सरम को कुकी और मेइतेई के बीच बातचीत सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था। कई विपक्षी दलों ने मणिपुर में हिंसा को समाप्त करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने के लिए केंद्र और राज्य में नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी सरकारों की आलोचना की है। कांग्रेस ने कहा है कि 10 विपक्षी दलों का एक प्रतिनिधिमंडल हिंसा पर प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपना चाहता था, लेकिन उन्हें समय नहीं मिल सका।पूर्व कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी ने कहा कि मणिपुर में अभूतपूर्व हिंसा ने राज्य के लोगों के जीवन

को तबाह कर दिया है और देश की अंतरात्मा पर गहरा घाव छोड़ा है। उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा कि शांतिपूर्वक सह–अस्तित्व में रहने वाले हमारे भाइयों और बहनों को एक–दूसरे के खिलाफ होते देखना हृदयविदारक है।

बगावत नाकाम होती तो एकनाथ शिंदे खुद को गोली मार लेते : महाराष्ट्र के मंत्री केसरकर

एजेंसी

मुंबई। मंत्री के बयान पर राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कहा, ''पुलिस को दीपक केसरकर को हिरासत में लेना चाहिए क्योंकि

कोई आत्महत्या करने के बारे में सोच रहा और केसरकर इससे अवगत हैं। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री दीपक केसरकर ने दावा किया है कि अगर पिछले साल शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ बगावत नाकाम होती तो मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे खुद को गोली मार लेते। शिंदे के नेतृत्व वाले बागी विधायकों में शामिल केसरकर के मंगलवार को किए गए सनसनीखेज दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने बुधवार को कहा कि मंत्री को किसी की आत्महत्या के इरादे के बारे में पता होने के कारण हिरासत में लिया जाना चाहिए। केसरकर ने आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे नीत मंत्रिमंडल में मंत्री रहे शिंदे का पिछले साल शिवसेना के स्थापना दिवस (19 जून) पर अपमान किया गया था।स्कूल शिक्षा मंत्री केसरकर ने कहा कि मुख्यमंत्री शिंदे सच्चे शिवसैनिक हैं। उन्होंने कहा, ''शिंदे साहब सच्चे इंसान और सच्चे शिवसैनिक हैं। उन्होंने (शिंदे) कहा था 'अगर मेरा विद्रोह विफल हो गया, तो मैं सभी (बागी) विधायकों को वापस भेज देता मैं मातोश्री (उपनगरीय बांद्रा में ठाकरे परिवार का निजी आवास) फोन करता और कहता कि मैंने गलती की, विधायकों की गलती नहीं है और तब मैं अपने सिर में गोली मार लेता।''मंत्री के बयान पर राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कहा, ''पुलिस को दीपक केसरकर को हिरासत में लेना चाहिए क्योंकि कोई आत्महत्या करने के बारे में सोच रहा और केसरकर इससे अवगत हैं। यदि कल वह (शिंदे का जिक्र करते हुए) विधानसभा अध्यक्ष के निर्णय (विधायकों की अयोग्यता पर) के बाद आत्महत्या कर लेते हैं, तो केसरकर को तुरंत हिरासत में ले लिया जाना चाहिए।'' पिछले साल 20 जून को, शिंदे सहित शिवसेना के 40 विधायकों ने नेतृत्व के खिलाफ बगावत कर दी, जिससे पार्टी में विभाजन हो गया और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई। कुछ दिनों बाद, शिंदे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन से नए मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला।

प्रधानमंत्री के लिए ये बैठक महत्वपूर्ण नहीं, मणिपुर पर बुलाई गई ऑल पार्टी मीटिंग को लेकर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने ट्विट करते हुए कहा कि 50 दिनों से जल रहा है मणिपुर, मगर प्रधानमंत्री मौन रहे। सर्वदलीय बैठक तब बुलाई जब प्रधानमंत्री खुद देश में नहीं हैं! साफ है, प्रधानमंत्री के लिए ये बैठक महत्वपूर्ण नहीं है।मणिपुर में स्थिति पर चर्चा के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक से कुछ दिन पहले, जो 3 मई से जातीय संघर्षों से प्रभावित है, जिसमें 110 से अधिक लोगों की जान चली गई है, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बैठक बुलाने पर केंद्र की आलोचना की। ऐसे समय में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के दौरे पर हैं। राहुल गांधी ने ट्विट करते हुए कहा कि 50 दिनों से जल रहा है मणिपुर, मगर प्रधानमंत्री मौन रहे। सर्वदलीय बैठक तब बुलाई जब प्रधानमंत्री खुद देश में नहीं हैं! साफ है, प्रधानमंत्री के लिए ये बैठक महत्वपूर्ण नहीं हैविपक्ष ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाया है और यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा था कि हिंसा ने राज्य में गहरा घाव छोड़ा है। संयोग से, नियोजित बैठक से एक दिन पहले, 23 जून को, विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं के 2024 में भाजपा का मुकाबला करने की रणनीति पर काम करने के लिए पटना में इकट्ठा होने की उम्मीद है।

बीजेपी- संघ हिंसा में विश्वास रखते हैं, हिंदुत्व का एजेंडा राजस्थान में कारगर नहीं होगा : गहलोत

एजेंसी

जोधपुर। गहलोत ने दावा किया कि उनकी ही सरकार ने गायों के लिए एक निदेशालय की स्थापना की, 'गौ शालाओं' के लिए नौ महीने का अनुदान जारी किया, लंपी त्वचा रोग से मरने वाली प्रत्येक गाय के लिए 40,000 रुपये दिए और मवेशियों को मुफ्त इलाज व दवाएं प्रदान कीं लेकिन "गाय के नाम पर कभी वोट नहीं मांगा" राजस्थान के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर लोगों को धर्म के नाम पर हिंसा के लिए उकसाने का आरोप लगाया और कहा कि हिंदुत्व का एजेंडा इस चुनावी राज्य में काम नहीं करेगा। बाड़मेर, जालौर और सिरोही जिलों में चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के एक दिन बाद गहलोत ने जालौर में मीडियाकर्मियों से यह बात कही। उन्होंने कहा, "भाजपा–आरएसएस हिंसा में विश्वास करते हैं। ये लोगों को धर्म के नाम पर भड़काते हैं। वे धर्म और गाय के नाम पर वोट मांगते हैं, लेकिन हम नहीं।" गहलोत ने दावा किया कि उनकी ही सरकार ने गायों के लिए एक निदेशालय की स्थापना की, 'गौ शालाओं' के लिए नौ महीने का अनुदान जारी किया, लंपी त्वचा रोग से मरने वाली प्रत्येक गाय के लिए 40,000 रुपये दिए

और मवेशियों को मुफ्त इलाज व दवाएं प्रदान कीं लेकिन "गाय के नाम पर कभी वोट नहीं मांगा" ।उन्होंने कहा, "तो क्या हम हिंदू नहीं हैं? हम उनसे ज्यादा हिंदू धर्म में आस्था रखते हैं। हमने गौ माता की सेवा की है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा–आरएसएस के "हिंदुत्व के एजेंडे को राजस्थान में काम नहीं करने दिया जाएगा"। उन्होंने कहा, "राजस्थान में सभी जाति और धर्म के लोग मिलकर चुनाव लड़ेंगे और सद्भावना की राजनीति करेंगे, लोकतंत्र को मजबूत करेंगे और वोट के अधिकार की रक्षा करेंगे।" गहलोत ने यह भी दावा किया कि भाजपा–आरएसएस में कई लोगों का हिंदू धर्म से कोई लेना–देना नहीं है और वे सिर्फ राम मंदिर बनाने और धर्म की राजनीति करने के लिए हिंदू बन गए हैं। उन्होंने कहा कि देश आज संकट में है और "देश में एक बहुत खतरनाक खेल खेला जा रहा है, जिसने संविधान की धज्जियां उड़ा दी हैं और लोकतंत्र को खतरे में डाल दिया है।" आलोचना के प्रति असहिष्णुता की बात करते हुए, गहलोत ने भाजपा–आरएसएस को आलोचना सहने की सीख दी और उसे (आलोचना को) "लोकतंत्र का गहना" करार दिया।उन्होंने कहा, "वे आलोचना सहन नहीं कर सकते। मैं भाजपा–आरएसएस और अन्य राजग नेताओं से आलोचना सहन करने की अपील करता हूं। अन्यथा आपको प्रतिक्रिया कैसे मिलेगी?" मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वह हमेशा आलोचना का स्वागत करते हैं और उससे खुद को सुधारते हैं। गहलोत ने अपनी सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा, "राजस्थान कभी भी दिल्ली में खबरों में नहीं था, न संसद में और न ही इसके बाहर लेकिन आज हर राज्य में उसकी अनूठी योजनाओं की चर्चा हो रही है।" उन्होंने कहा, "आज, कई राज्यों ने अपने चुनाव घोषणापत्र का मसौदा तैयार करते समय राजस्थान को ध्यान में रखा है। मुझे यकीन है कि अगर पहला नहीं भी, तो राजस्थान 2030 तक देश के शीर्ष राज्यों में शामिल होगा।" राजस्थान में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं।

पटना में विपक्षी दलों की बैठक 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले 'अच्छी शुरुआत' : तृणमूल कांग्रेस

संवाददाता

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस का मानना है कि बिहार के पटना में शुक्रवार को आयोजित होने जा रही विपक्षी दलों की बैठक 2024 के आम चुनाव से पहले ''एक अच्छी शुरुआत'' है। तृणमूल कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर ''अलोकतांत्रिक एवं तानाशाही नीतियों'' का आरोप लगाते हुए इनके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विरोधी दलों के एकजुट होने के महत्व पर जोर दिया। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) (जद–यू) नेता नीतीश कुमार द्वारा बुलाई गई बैठक में राहुल गांधी, ममता बनर्जी, एम के स्टालिन, शरद पवार, महबूबा मुफ्ती और हेमंत सोरेन एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं के भाग लेने की उम्मीद है। जद–यू ने पिछले साल भाजपा का साथ छोड़ दिया था।विपक्षी दलों की बैठक के लिए ममता बनर्जी के साथ तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी भी होंगे। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा, ''पटना पहुंचने से पहले ही एक अच्छी शुरुआत... देश के संविधान को बचाने के लिए काम कर रहे सभी दल कई मुद्दों पर एकमत हैं। अभी के लिए, हमारे पास एक तारीख,

एक स्थान और एक समझौता है कि बैठक में हर पार्टी के प्रमुख रहेंगे।'' तृणमूल कांग्रेस नेता ने कहा, ''इसके बाद अगली बैठक की तारीख और स्थान पटना में तय किया जाएगा। इसके अलावा, यही सलाह है कि कोई भी बैठक को लेकर अटकल न लगाए।''पटना में विपक्षी नेताओं की बैठक आयोजित करने का विचार बनर्जी द्वारा रखा गया था, जिन्होंने अप्रैल में कोलकाता में नीतीश कुमार से मुलाकात के दौरान जयप्रकाश नारायण को याद करते हुए उनका जिक्र किया था। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुखेंदु शेखर रॉय ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा कि लक्ष्य यह होना चाहिए कि विपक्षी एकता जल्द से जल्द आकार ले क्योंकि 2024 के आम चुनाव में एक साल से भी कम समय बचा है। उन्होंने कहा, ''भाजपा ने देश के लोकतंत्र को नष्ट कर दिया है और संविधान को नष्ट करने की कोशिश कर रही है। अगर भाजपा की विरोधी और उसके खिलाफ संघर्ष कर रहीं पार्टियां एकजुट होकर लड़ने में विफल रहती हैं, तो यह देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण होगा।''रॉय ने कहा कि विपक्षी एकता को एकजुट करने के प्रयास पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्षी उम्मीदवार के चयन के दौरान ही शुरू हो गए थे। यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्षी दलों के मोर्चे के नेतृत्व का मुद्दा इसमें बाधा पहुंचाएगा, न तो विपक्षी दल और न ही इस देश के लोग इस तरह के नेतृत्व के मुद्दे को लेकर चिंतित हैं।

आप और बीजेपी के दावों के बीच ये है दिल्ली वाले अध्यादेश की असली कहानी

एजेंसी

नई दिल्ली। अध्यादेश को लेकर केजरीवाल केंद्र की भाजपा सरकार पर हमलावर है। इतना ही नहीं, उन्होंने 23 जून को पटना में होने वाले विपक्षी दलों की बैठक से पहले साफ तौर पर कह दिया कि केंद्र का अध्यादेश इसमें बड़ा मुद्दा होगा और इसी पर सबसे पहले चर्चा की जाएगी। केजरीवाल इसे तानाशाही रवैया बता रहे हैं।पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा निर्णय लेते हुए दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर–पोस्टिंग पर नियंत्रण राज्य की चुनी हुई सरकार को दे दिया था। यह केजरीवाल सरकार के लिए बड़ी जीत थी। साथ ही साथ केजरीवाल सरकार की ताकत में इजाफा करने वाली थी। हालांकि, केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को पलटने वाला एक अध्यादेश जारी कर दिया। इसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली संशोधन अध्यादेश 2023 कहा गया। इस अध्यादेश के तहत किसी भी अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग से जुड़ा अंतिम निर्णय लेने का हक उपराज्यपाल को वापस दे दिया गया। इसका मतलब इस अध्यादेश के बाद एक बार फिर से पावर उपराज्यपाल के पास ही आ गया। इस अध्यादेश को लेकर केजरीवाल केंद्र की भाजपा सरकार पर हमलावर है। इतना ही नहीं, उन्होंने 23 जून को पटना में होने वाले विपक्षी दलों की बैठक से पहले साफ तौर पर कह दिया कि केंद्र का अध्यादेश इसमें बड़ा मुद्दा होगा और इसी पर सबसे पहले चर्चा की जाएगी। केजरीवाल इसे तानाशाही रवैया बता रहे हैं। वह इस अध्यादेश के खिलाफ विपक्षी दलों का समर्थन भी जुटा चुके हैं। हालांकि, कांग्रेस से उन्हें यह समर्थन नहीं मिला। यही कारण है कि केजरीवाल और जबरदस्त तरीके से कांग्रेस पर निशाना साध रहे। केजरीवाल ने तो यह तक कह दिया है कि दिल्ली में अध्यादेश तो एक प्रयोग है। अगर यह सफल होता है तो भाजपा इसे उन राज्यों में लागू करने की कोशिश करेगी जहां विपक्षी दलों की सरकार है। केजरीवाल ने तो यह भी कह दिया है कि भाजपा चोर दरवाजे से दिल्ली पर राज करना चाहती है।दूसरी ओर भाजपा का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आड़

में अधिकारियों को डराया धमकाया जा रहा था। केजरीवाल सरकार अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर रही थी। दिल्ली की गरिमा बनाए रखने और लोगों के हितों की रक्षा के लिए यह अध्यादेश आवश्यक था। इतना ही नहीं, भाजपा ने यह भी साफ तौर पर कहा है कि केजरीवाल अधिकारियों पर दबाव डालकर भ्रष्टाचार के मामले को बंद करा सकते हैं। इसलिए यह अध्यादेश बेहद जरूरी था। आपको बता दें कि भाजपा केजरीवाल सरकार पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगा रही है। फिलहाल केजरीवाल सरकार में दो मंत्री मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन भ्रष्टाचार के मामले को लेकर ही जेल में बंद है।

दिल्ली को लेकर केंद्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश को लेकर अलग–अलग तरह से व्याख्या की जा रही है। पूरा का पूरा मामला दिल्ली पर नियंत्रण का है।

सम्पादकीय

बात हुई, यही काफी

अमेरिका और चीन ने एक दूसरे को अपनी शिकायतें बताईं। इसके बाद भी दोनों पक्ष बातचीत जारी रहने पर सहमत हुए, तो इसे इसी बात का संकेत माना जाएगा कि श्दो टूक्य वार्ता से बात बिगड़ी नहीं।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन की चीन यात्रा से क्या कोई ठोस नतीजा निकला, यह कहना कठिन है। बहरहाल, दुनिया की दोनों महाशक्तियों के बीच बातचीत हुई, यह भी कोई कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। कूटनीति की दुनिया में कहा जाता है कि बातचीत तब जरूरी नहीं होती है, जब दो देशों में रिश्ते अच्छे हों– बल्कि इसकी अनिवार्यता तब होती है, जब संबंधों में टकराव बढ़ रहा हो। ऐसे में इस पर ही राहत महसूस की गई है कि ब्लिंकेन चीन गए और वहां चीन के विदेश मंत्री चिन गांग, टॉप डिप्लोमैट वांग यी और आखिर में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक दूसरे सामने श्दो टूक्य ढंग से एक दूसरे से अपनी शिकायतें बताईं और साथ ही एक दूसरे को अपनी अपेक्षाओं से भी अवगत कराया। इसके बाद दोनों पक्ष बातचीत जारी रहने पर सहमत हुए, तो इसे इसी बात का संकेत माना जाएगा कि श्दो टूक्य वार्ता से बात बिगड़ी नहीं। दोनों ही देशों ने अपनी विज्ञप्तियों में कहा है कि वार्ता श्ठोस और रचनात्मक रहीय। तो अब चीन के विदेश मंत्री वॉशिंगटन जाएंगे।

इस तरह दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ती होड़ के बीच किसी श्गहलतफहमीय के कारण कोई श्हादसाय ना हो जाए, इसे सुनिश्चित करने का तंत्र बनाने पर विचार–विमर्श जारी रहेगा। बीजिंग वार्ता में इसी मकसद से अमेरिका ने दोनों देशों की सेनाओं के बीच संवाद का तंत्र बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसे चीन ने ठुकरा दिया। इसकी वजह संभवतरू यह है कि चूंकि अमेरिका की राय में चीन में सैनिक और असैनिक प्रशासन के बीच कोई विभाजन रेखा नहीं है, तो फिर उससे सैन्य स्तर पर अलग से वार्ता का कोई तर्क नहीं बनता। बहरहाल, यह आकलन दोनों ही तरफ है कि दोनों देशों के बीच टकराव की वजहें बुनियादी हैं, और चूंकि दोनों में से कोई देश अपने बुनियादी मकसद पर समझौता करने को तैयार नहीं है, इसलिए दोनों देशों की होड़ को रोकना संभव नहीं है। ऐसे में कूटनीति का उद्देश्य सिर्फ श्हादसोंय को टालने भर रह गया है। कहा जा सकता है कि बीजिंग वार्ता से उस दिशा में एक शुरुआत हुई है।

आजादी की हसरत लिए डूबते लोग!

श्रुति व्यास

दूर के ढोल के अलावा, दूर की घास भी अक्सर ज्यादा सुहावनी लगती है, खासकर तब जब आप पश्चिम की ओर देख रहे हों। वह चमकदार लगती है। वह खुशनुमा लगती है और लगता है मानों वो आपको बुला रही हो। उस तरफ का घास का मैदान बड़ा और खुला–खुला सा लगता है। जाहिर है इस खुलेपन में आजादी शामिल होती है।श्आजादीय द्र वाह, सोचे, इस शब्द पर। कितनी तरह के मतलब हैं?श्आजादीय का शब्द उम्मीद जगाता है, मोहित करता है।तानाशाही, शैतानी सरकारों से आजादी, कठोर कानूनों से आजादी, असुरक्षा से आजादी, डर से आजादी तथा खुलकर सांस लेने की आजादी। मतलब ऐसा जीवन जीने की आजादी जिसका कोई अर्थ हो तथा जिसमें खुुशी हो। हर साल इस मोहक सपने में डूबे और सम्मोहित गरीब और दमित देशों से कई लोग यूरोप और ब्रिटेन की अपेक्षाकृत आजाद धरती की ओर कूच करनते हैं।

शेक्सपियर के हेमलेट में क्लोडिअस कहता है, ष्दुरूख जब आता है तो वह अकेले सिपाही की तरह नहीं आता, वह बटालियनों में आता है।ष और यह अनुभव आजाद दुनिया में जाने के लिए फडफाडते लोगोंका भी है। कितनी तरह की तकलीफों से ये गुजरते हैं। ये लोग (इन्हे शरणार्थी कहें या आजादी परस्त?) घने जंगलों, ऊंची लहरों वाले विशाल महासागरों को पार करते हैं। वे घने अंधेरे में, एक दूसरे के ऊपर बैठकर, भूखे, प्यासे, परेशान और डरे हुएभयावह सफर करते हैं।नतीजे में कई बार उन्हें आजादी हासिल हो जाती है तो कई बार मौत उन्हें जिंदगी की सभी परेशानियों से आजाद कर देती है।

पिछले हफ्ते इस तरह का एक बड़ा हादसा देखा। एक मछली पकडने वाली नाव, जिसमें किसी भी तरह यूरोप पहुँचने के इच्छुक लोगों को भेड़–बकरियों की तरह भरा गया था, ग्रीस के तट के पास डूब गई। इस दुर्घटना में कम से कम 500 लोगों की मौत हुई या गहरे सागर में लापता हैं। ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस हादसे में 300 पाकिस्तानी मारे गए जो अपने देश में गरीबी और अस्थिरता के हालात से आजादी पाने का रास्ता ढूंढ रहे थे। चकनाचूर हो चुकी इस नीली नौका की आसमान से ली गई एक तस्वीर ग्रीस के तटरक्षक बल ने जारी की है। इसमें साफ नजर आ रहा है कि ढेर सारे लोग इस नाव की एक–एक इंच जगह पर बैठे हुए थे। इस तस्वीर ने तीन साल के उस सीरियाई बच्चे की तस्वीर की यादें ताजा कर दीं है जो अपने परिवार के साथ इस्लामिक राष्ट्र सीरिया से भागकर यूरोप के स्वर्ग में जाने का प्रयास कर रहा था।

अफ्रीका, मध्यपूर्व और एशिया के गरीब देशों से यूरोप की ओर आने वाले प्रवासियों या शरणार्थियों की संख्या सन् 2015 से लगातार बढ़ती जा रही है। बताया जाता है कि पिछले 8 सालों में 10 लाख से ज्यादा नए लोग यूरोप में आ चुके हैं जिससे इस महाद्वीप की तस्वीर बदल रही है। सन् 2017 में श्द इकोनॉमिस्ट्य ने आंकड़ों और ग्राफ के जरिए प्रवासियों के आगमन के सकारात्मक पहलुओं पर प्रकाश डाला था। उसने लिखा था, ष्प्रवासियों के कारण राजनैतिक परेशानियां तो हो सकती हैं लेकिन यदि हम अपनी अर्थव्यवस्थाओं को सिकुडने से बचाना चाहते हैं तो हमें और ज्यादा प्रवासियों की जरूरत होगीष।और जनता के दिमाग में समुद्र में डूबे सीरियाई बच्चे की तस्वीर कुछ इस तरह बैठ गयी थी कि यूरोपीय संघ और उसके देशों को प्रवासियों के लिए अपने दरवाजे खोलने पड़े। अकेले जर्मनी ने दस लाख से ज्यादा शरणार्थियों को अपने देश में आने दिया।

लेकिन हालिया समय में सब बदल गया है। लोकलुभावन नेता शरणार्थियों का स्वागत करने को तैयार नहीं हैं। रूस से लड़ाई शुरू होने के बाद से अब तक करीब 50 लाख यूक्रेनी यूरोपियन यूनियन में आ चुके हैं जिनकी शरणार्थियों की तरह देखभाल की जा रही है। इसके चलते यूरोप और यूके में प्रवासियों को लेकर कड़ी नीतियां अपनाई जा रही हैं और इनके लिए दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं। यूरोपीय सरकारें सोच रही हैं कि इन गरीब और हताश लोगों से अपने धनी महाद्वीप को बचाने के लिए क्या किया जाना चाहिए? स्वीडन की अध्यक्षता में इयू ने अवैध प्रवास को मुख्य मुद्दा बना लिया है। सभी सदस्य राष्ट्रों द्वारा शरणार्थियों का बोझा बराबर–बराबर उठाने की कोई व्यवस्था नहीं है। नतीजे में सीमाओं पर इनके साथ होने वाला व्यवहार पहले कहीं अधिक कठोर हो गया है और इन्हें गैरकानूनी तरीकों से वापस भेजने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

हंगरी, क्रोएशिया और रोमानिया में योरोपीय संघ के कानूनों और संयुक्त राष्ट्र संघ के कायदों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। प्रवासियों को कड़कड़ाती ठंड में देशों की सीमाओं के बीच रहने के लिए बाध्य किया जा रहा है। इटली में जिओर्जिया मेलोनी की नई सरकार ने भूमध्य सागर में शरणार्थियों को ढूंढकर उन्हें बचाने वाले एनजीओ के लिए समस्याएं खड़े करने वाले कानून बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ब्रिटेन ने अवैध प्रवासियों को रवांडा भेजने की जो नीति बनाई है, भले ही उसको लागू करना मुश्किल हो रहा हो, परन्तु ऑस्ट्रिया जैसे देश कह रहे हैं कि ईयू को भी ऐसा ही कुछ करना चाहिए।

यह निश्चित है कि कड़े कानूनों, बंद दरवाजों और आजादी की घटती उम्मीदों के बावजूद अधिकाधिक शरणार्थी यूरोप के तटों पर आते रहेंगे और इससे तनाव बढ़ता रहेगा। अफगानी और सीरियाई अपने–अपने देशों के निराशाजनक हालात के चलते अभी भी अपने देश छोड़ रहे हैं। उनके साथ जुड़ रहे हैं एशियाई और अफ्रीकी जो यूक्रेन युद्ध के कारण खाद्य पदार्थों और इंधन की बढ़ती कीमतों के चलते गरीबी के जाल में फंस गए है। यहां तक कि अब भारतीय भी गैरकानूनी ढंग से यूके में प्रवेश कर रहे हैं। यूके होम आफिस के अनुसार वे इंग्लिश चौनल के रास्ते छोटी–छोटी नावों पर खतरनाक यात्राएं करके वहां आने वाला दूसरा सबसे बड़ा समूह हैं।

आंकड़ों के अनुसार जनवरी से मार्च के दौरान 675 भारतीय वर्क वीजा प्रतिबंधों से बचने के लिए छोटी नावों के जरिए यूके में आए। दमनकारी राजनैतिक परिदृश्य के साथ–साथ क्लाइमेट चेंज के चलते भी अधिकाधिक लोग अपनी तकदीर आजमाएंगे। इसमें कोई शक नहीं कि इस दौरान यूरोप, यूके और अमेरिका में प्रवास एक बड़ा चुनावी मुद्दा बन जाएगा जो बड़ी चुनावी जीतों और हारों का कारण बनेगा। आने वाले समय में प्रवासियों के लिए कानूनी प्रक्रिया के निर्धारण और यूरोप की सीमाओं के बाहर अधिक आर्थिक सहायता पहुंचाने की जबरदस्त वकालत की जाएगी। लेकिन तब तक आजादी की हसरत में अधिकाधिक प्रवासी अवैधानिक ढंग से भूमध्य सागर पार करते रहेंगे। हमारे दिलोदिमाग में ऐसी कई और डरावनी तस्वीरें अंकित होती रहेंगीं। समस्या गहराएगी और बिगड़ेगी और यह मानवीय आपदा उन मानवीय आपदाओं पर भारी पड़ेगी जो हम अपनी ताकत बढ़ाने के लिए रोजाना पैदा करते हैं।

दौलत कमाने के फेर में महाकाव्य रामायण का अपमान है फिल्म आदिपुरुष

दीपक कुमार त्यागी

डायलॉग लिखने वाले दावा करते हैं कि वह जब फिल्म के डायलॉग लिखते थे तो अपने जूते–चप्पल तक दफ्तर के बाहर उतार कर जाया करते थे। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि सम्मान दर्शाने का ढोंग कर रहे लेखक ने तब जाकर आदिपुरुष फिल्म के लिए इतने बेहूदे डायलॉग लिखे हैं।दिग्गज निर्देशक ओम राउत की बहुप्रतीक्षित फिल्म आदिपुरुष अपने टीजर के साथ शुरुआत से ही विवादों में रही है। इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान जगह–जगह निर्माता, निर्देशक, लेखक व अन्य पूरी टीम ने यह दावा किया था कि आदिपुरुष फिल्म सनातन धर्म के आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के महाकाव्य रामायण की महागाथा से प्रेरित है। लेकिन यह दावे इस फिल्म को देखने पर एकदम झूठे व खोखले साबित होते नजर आते हैं। हालांकि देश में अभी तक छोटे व बड़े पर्दे पर महाकाव्य रामायण से प्रेरित सीरियल व फिल्म बार–बार दिखायी जाती रही हैं, लेकिन यह भी एकदम कटु सत्य है कि देश में पहला मौका है जब महाकाव्य रामायण को अत्याधुनिक सिनेमा तकनीक के माध्यम से रूपहले बड़े पर्दे इतने बड़े स्तर पर जीवंत किया गया है। यही वजह है कि आदिपुरुष फिल्म के रिलीज होने का दर्शकों को बेहद बेसब्री से इंतजार था, लेकिन विवादों के चलते आदिपुरुष फिल्म देश व दुनिया में सुर्खियों में तो आ गयी है, लेकिन इंतजार करने वाले दर्शकों को फिल्म देखकर निराशा ही हाथ लगी है। हालांकि अधिकांश फिल्मों के निर्माताओं का उद्देश्य तो केवल दर्शकों का मनोरंजन करके उनकी जेब से पैसा निकाल कर उस दौलत से अपनी तिजोरी भरना होता है, उसी के चलते ही सिनेमा घरों तक दर्शकों को लाने के लिए फिल्मों की रिलीज से पहले ही जानबूझकर विवाद खड़ा करने का एक फैशन आजकल बन गया है, जो एक सामान्य हंसी मजाक व अन्य फिल्मों तक तो ठीक लगता है, लेकिन अगर फिल्म की कमाई के लिए देशहित व धर्म ग्रंथों को तोड़–मरोड़कर पेश करते हुए उन पर विवाद खड़ा करने का कुत्सित प्रयास किया जाये तो वह सरासर अनुचित है और अक्षम्य अपराध है। वही हाल फिल्म आदिपुरुष का है, जिसमें देश व दुनिया के करोड़ों सनातन धर्म के अनुयाइयों के आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के महाकाव्य रामायण के संवादों को अपने मनमाफिक तोड़–मरोड़ कर पेश किया गया और लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का अपराध किया गया है।

हालांकि इसके डायलॉग लिखने वाले तो यहां तक दावा करते हैं कि वह जब फिल्म के डायलॉग लिखते थे तो अपने जूते–चप्पल तक दफ्तर के बाहर उतार कर जाया करते थे। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि सम्मान दर्शाने का ढोंग कर रहे लेखक ने तब जाकर आदिपुरुष फिल्म के लिए इतने बेहूदे डायलॉग लिखे हैं। अगर इस फिल्म के कुछ डायलॉग पर नजर डालें तो फिल्म में हमारे आराध्य पवन पुत्र हनुमान जी के लिए भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए दिखाया गया है जो काफी भद्दे हैं। फिल्म में एक सीन है जिसमें इंद्रजीत, हनुमान जी को पकड़कर लंका के राजा रावण के पास ले जाता है। इस पर रावण इंद्रजीत से कहता है– ष्कोई और काम धंधा नहीं है जो बंदर पकड़ रहा हैष यह भाषा हमारे आराध्य बजरंग बली के लिए काफी खराब है। इसके अलावा एक सीन में रावण का एक राक्षस हनुमान जी से कहता है– ष्ये तेरी बुआ का बगीचा थोड़ी हैष यह भाषा भी सरासर अनुचित है। इसके अलावा जब हनुमान जी लंका जलाते हैं उस वक्त भी व अन्य कई किरदारों के द्वारा बोले गये कई डायलॉग अभ्रद हैं जिनका इस्तेमाल किया गया है, जो कि सरासर गलत है।

डायलॉग के बाद लोगों की सबसे ज्यादा आपत्ति फिल्म में किरदारों के लुक पर है, जो कि दूर–दूर तक भी महाकाव्य रामायण के पात्रों से मिलती नहीं है। लोगों को फिल्म के किरदारों का कास्ट्यूम पसंद नहीं आ रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि इस फिल्म के राम, न तो मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम लग रहे हैं, ना ही सीता, लक्ष्मण, हनुमान व रावण तक का लुक महाकाव्य की गरिमा के अनुरूप है। आदिपुरुष के किरदारों का यह लुक आम जनमानस को जरा भी रास नहीं आ रहा है। जिसके चलते फिल्म रिलीज के बाद अब तो आदिपुरुष फिल्म पर विवाद थमने की जगह और तेजी से बढ़ता नजर आ रहा है। अब तो इस फिल्म पर भारत के साथ नेपाल में प्रतिबंध लगाने की मांग हो रही है। इसके अलावा, दिल्ली हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल करके फिल्म पर रोक लगाए जाने की मांग के साथ इस फिल्म को सेंसर बोर्ड की ओर से दिये जाने वाले सर्टिफिकेट को भी रद्द करने की मांग की गई है। खैर... इस फिल्म के जरिए महाकाव्य रामायण को तोड़–मरोड़कर पेश करके मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम व हमारी सनातन संस्कृति का मजाक उड़ाया गया है, जो ठीक नहीं है। इसलिए भारत सरकार को सनातन धर्म के अनुयाइयों की भावनाओं को देखते हुए स्वयं ही आदिपुरुष जैसी फिल्मों पर तत्काल प्रतिबंध लगा देना चाहिए।

संविधान की दुहाई देने वालों के सुर समान नागरिक संहिता पर बदल क्यों गए?

स्वदेश कुमार

बंटवारे के समय लोकतंत्र की दुहाई देकर जो मुसलमान यहां रुक गए थे, उनको यह जान और समझ लेना जरूरी है कि समान नागरिक संहिता एक पंथनिरपेक्ष (सेक्युलर) कानून होता है जो सभी पंथ के लोगों के लिये समान रूप से लागू होता है।देश के बंटवारे के समय जिन दो–तीन प्रतिशत मुसलमानों ने पाकिस्तान जाने से यह कहते हुए इंकार कर दिया था कि वे लोकतांत्रिक देश हिंदुस्तान में रहना ज्यादा पसंद करेंगे। उन्हें हिंदुस्तान की गंगा जमुनी संस्कृति से प्यार है। यह उनका मादरे वतन है। उन्हीं मुसलमानों की जब देश में आबादी बढ़ी तो उनकी सोच भी बदल गई। अब यह दबाव की राजनीति करने लगे हैं। लोकतंत्र की जगह शरीयत की बात करते हैं। अब लोकतंत्र और भारत का संविधान इनके लिए कोई मायने नहीं रखता है। सरकार को किसी भी फैसले से रोकने के लिए यह लोग देश का सांप्रदायिक माहौल खराब हो जाने की बात करने लगते हैं। सीएए, एनआरसी जैसे कानून बनाने की सरकार की मंशा के खिलाफ जगह–जगह आंदोलन करते हैं, जबकि इन कानूनों का भारत में रहने वाले किसी वर्ग या कौम से कोई संबंध नहीं होता है। यह कानून पाकिस्तान, बांग्लादेश जैसे देशों में रह रहे अल्पसंख्यकों को भारत की नागरिकता देने के संबंध में बनाया जा रहा है।इसी दबाव की राजनीति के अगले चरण में समान नागरिक संहिता का भी मुस्लिम संगठनों ने विरोध शुरू कर दिया है। इन लोगों को उन राजनीतिक दलों का भी समर्थन मिल रहा है जो इनके वोट बैंक के सहारे अपनी राजनीति चमकाते हैं। इसमें कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसे दल भी शामिल हैं। इसी क्रम में सपा के दिग्गज नेता आजम खान, समाजवादी पार्टी के सांसद शफीक उर रहमान वर्क और डॉ. एसटी हसन समान नागरिक संहिता के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। यह लोग एक सुर में चिल्ला रहे हैं कि समान नागरिक संहिता कानून भाजपा का चुनावी हथकंडा है। भाजपा समाज में दूरियां बढ़ाने के लिए यह कानून लाना चाहती है लेकिन हम मुसलमान शरीयत को ही मानेंगे। इस प्रकार के कानून को स्वीकार नहीं करेंगे। सपा सांसदों ने अपने बयान में कहा कि आखिर समान नागरिक संहिता कानून लाने की जरूरत क्यों पड़ी। इसका मुख्य कारण 2024 का चुनाव है। भाजपा हिंदू मुसलमान के बीच दूरियां बढ़ाने के लिए यह सब कर रही है। 1400 से अधिक साल पहले मुसलमानों में शरीयत के अनुसार पैतृक संपत्ति में लड़कियों को उनका हक दिया जाता है।कुराने पाक के हुक्म पर मुसलमान शरीयत के अनुसार काम करता है। इससे कोई मुसलमान समझौता नहीं करेगा। सवाल उठाया कि आखिर दूसरे लोगों को शरीयत से क्या परेशानी है। दूसरी शादी भी मजबूरी में लोग करते हैं। किसी की पत्नी बीमार हो गई या बच्चे नहीं हो रहे हैं। इस मामले में पहली पत्नी की इजाजत ली जाती है। इसमें एक संस्कार छिपा होता है। सरकार पर आरोप लगाया जा रहा है कि आजकल लिव इन रिलेशनशिप को सरकार ने मान्यता दे दी है। क्या यही हिंदुस्तानी संस्कृति है। कुरान ने जो हुक्म दिया है। उसी को मुसलमान मानेंगे। इस मामले में किसी मौलाना की भी नहीं चलेगी। इसी प्रकार वक्फ की संपत्ति का मामला है। कानून बनने पर संविधान की धारा 29 और 30 को भी देखना पड़ेगा।बहरहाल, बंटवारे के समय लोकतंत्र की दुहाई देकर जो मुसलमान यहां रुक गए थे, उनको यह जान और समझ लेना जरूरी है कि समान नागरिक संहिता एक पंथनिरपेक्ष (सेक्युलर) कानून होता है जो सभी पंथ के लोगों के लिये समान रूप से लागू होता है। दूसरे शब्दों में, अलग–अलग पंथों के लिये अलग–अलग सिविल कानून न होना ही श्समान नागरिक संहिताश की मूल भावना है। समान नागरिक कानून से अभिप्राय कानूनों के वैसे समूह से है जो देश के समस्त नागरिकों (चाहे वह किसी पंथ, क्षेत्र से संबंधित हों) पर लागू होता है। यह किसी भी पंथ, जाति के सभी निजी कानूनों से ऊपर होता है। इस कानून के बनने से केवल मुसलमानों को ही नहीं अन्य धर्म के लोगों को भी देश हित में कुछ समझौते करने पड़ेंगे जो बदलते समय के हिसाब से जरूरी भी है। जब अन्य धर्मों के लोग समान नागरिक संहिता पर हो हल्ला नहीं कर रहे तो मुसलमानों को भी समझना होगा कि यह देश की बात है।

भाजपा को क्षेत्रीय पार्टियों की जरूरत

अजीत द्विवेदी

पिछले साल 31 जुलाई को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पार्टी के सात मोर्चों की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में हिस्सा लेने बिहार पहुंचे थे। वहां उन्होंने कहा था– हम अपनी विचारधारा पर चलते रहे तो देश में क्षेत्रीय पार्टियां खत्म हो जाएंगी। उस समय एनडीए का हिस्सा रही नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यू ने नड्डा के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी और कहा था कि क्षेत्रीय दल बने रहेंगे। इसके कुछ दिन बाद ही जनता दल यू ने भाजपा से नाता तोड़ लिया था और राजद के साथ मिल कर सरकार बनाई थी। हालांकि उसका कारण नड्डा का बयान नहीं था। बहरहाल, नड्डा के बयान के अभी एक साल नहीं हुए हैं और ऐसा लग रहा है कि समय का चक्र उलटा घूमने लगा है। क्षेत्रीय पार्टियों के समाप्त हो जाने का दावा करने वाली भाजपा बिहार सहित देश भर में छोटी छोटी पार्टियों को अपने साथ जोडने में लगी है। सवाल है कि ऐसा क्या हो गया कि छोटी पार्टियों से तालमेल भाजपा की मजबूरी हो गई और उनके खत्म होने की भविष्यवाणी करने वाली पार्टी उनको जीवनदान देने लगी?

इस गंभीर सवाल पर विचार करने से पहले एक नजर इस पर डालने की जरूरत है कि भाजपा कहां कहां छोटी क्षेत्रीय पार्टियों से समझौता कर रही है। बिहार में जहां, जेपी नड्डा ने क्षेत्रीय पार्टियों के खत्म हो जाने की भविष्यवाणी की थी, वहां भाजपा कम से कम पांच छोटी पार्टियों के साथ तालमेल करने जा रही है। सोचें, कहां तो बड़ी क्षेत्रीय पार्टियों को खत्म किया जाना था और कहां एक एक सीट वाली पार्टियों से तालमेल करके भाजपा उनको मजबूती दे रही है! बिहार में दो टुकड़ों में बंटी रामविलास पासवान की बनाई पार्टियों से भाजपा का तालमेल होगा। एक के नेता चिराग पासवान हैं और दूसरे के पशुपति पारस, जो इस समय केंद्र में मंत्री हैं। इसके अलावा उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक जनता दल के साथ भाजपा का तालमेल हो रहा है। जीतन राम मांझी के बेटे ने हाल में बिहार सरकार से इस्तीफा दिया है। उनकी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के साथ भाजपा का तालमेल होने वाला है। इसी तरह महागठबंधन में शामिल मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी के साथ भी भाजपा का तालमेल होगा।

बिहार के अलावा झारखंड में आजसू के साथ भाजपा का तालमेल है। पिछली बार भाजपा ने आजसू को एक लोकसभा सीट दी थी। इस बार हो सकता है कि सिर्फ विधानसभा सीटों का समझौता हो। आंध्र प्रदेश में समाप्ति की कगार पर पहुंची चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और पवन कल्याण की जन सेना के साथ तालमेल होने जा रहा है। पंजाब में पुरानी सहयोगी अकाली दल को फिर से एनडीए में लाने की बातचीत हो रही है। कर्नाटक में एचडी देवगौड़ा की जेडीएस के साथ भाजपा का तालमेल हो सकता है। तमिलनाडु में भाजपा किसी तरह से अन्ना डीएमके से तालमेल बचाए रखने की कोशिश कर रही है। महाराष्ट्र में शिव सेना और आरपीआई के अठावले गुट के साथ भाजपा का तालमेल है। उत्तर प्रदेश में अपना दल और हरियाणा में जननायक जनता पार्टी के साथ उसका तालमेल है। गोवा से लेकर असम और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में एक दर्जन अन्य पार्टियों से ज्यादा पार्टियों के साथ भाजपा का तालमेल है। एनडीए में जो पुराने सहयोगी हैं उनके बनाए रखते हुए भाजपा नए गठबंधन सहयोगियों की तलाश में भटक रही है।

सोचें, कहां तो क्षेत्रीय पार्टियों को समाप्त कर देने का दंभ और कहां छोटी छोटी पार्टियों को गठबंधन में शामिल करके उनकी शर्तों पर समझौता करने की मजबूरी! सवाल है कि यह मजबूरी कैसे पैदा हुई? क्या कांग्रेस और देश की दूसरी तमाम विपक्षी पार्टियों की एकजुटता ने भाजपा को चिंता में डाला है, जिसकी वजह से उसको भी अपना मजबूत गठबंधन बना कर चुनाव में उतरने की जरूरत महसूस हो रही है? दस साल तक राज करने के बाद सत्ता विरोधी लहर ने भी भाजपा को चिंता में डाला हो सकता है। यह भी हो सकता है कि देश में पारंपरिक रूप से अपने मजबूत असर वाले राज्यों में भाजपा लगातार दो चुनाव से लगभग सभी सीटें जीत रही है तो वहां अब नुकसान की आशंका होगी और उस नुकसान की भरपाई के लिए नए इलाकों को एक्सप्लोर करने की जरूरत महसूस हो रही होगी। ध्यान रहे भाजपा गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड आदि राज्यों में लगभग सभी सीटों पर जीती है। उत्तर प्रदेश में भी उसने ज्यादातर सीटें हासिल की हैं। ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में उसको अपनी सांगठनिक क्षमता से ज्यादा सीटें मिली हुई हैं। सो, उसके सामने एक बड़ी चुनौती इन राज्यों में अपनी सीटों को बचाए रखने और बढ़ाने की है।

लगातार दो चुनाव में मिली भारी भरकम जीत के बाद अपनी सीटें बचाए रखना बड़ी चुनौती का काम है। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इस बात को समझ रहा है। अगर प्रचार के दम पर और विकास की आस बंधा कर डबल या ट्रिपल इंजन की सरकार बनाई गई है तो एंटी इन्कम्बैंसी भी डबल या ट्रिपल ही होगी। तभी डबल या ट्रिपल इंजन वाली सरकार से बाहर के राज्यों में भाजपा अपने पैर पसार रही है और इसके लिए उसे छोटी क्षेत्रीय पार्टियों की जरूरत है। यह भाजपा की पुरानी रणनीति रही है कि, जहां उसका संगठन कमजोर है या पारंपरिक रूप से वह हाशिए की पार्टी रही है वहां किसी मजबूत क्षेत्रीय दल के कंधे पर सवार होकर वह आगे बढ़ी है। बिहार में भी नीतीश कुमार और महाराष्ट्र में बाल ठाकरे के कंधे पर सवार होकर ही भाजपा मजबूत हुई। पंजाब में उसकी जो भी हैसियत है वह अकाली दल के कारण बनी थी। यही काम वह अब दक्षिण भारत के राज्यों में करना चाह रही है।

गठबंधन के मामले में भाजपा की रणनीति बहुत स्पष्ट है। वह अपने मजबूत असर वाले राज्यों में भी सहयोगियों को इसलिए साथ रखना चाहती है ताकि वोट कटने–बिखरने का खतरा न्यूनतम रह जाए। ध्यान रहे भाजपा के असर वाले राज्यों में विपक्षी पार्टियां मजबूत गठबंधन कर रही हैं। अगर वे इस सहमति पर पहुंच जाती हैं कि भाजपा के हर उम्मीदवार के खिलाफ विपक्ष का एक उम्मीदवार उतरेगा तो भाजपा यह अफोर्ड नहीं कर सकती है कि उसकी कोई सहयोगी पार्टी वहां अकेले लड़े। विपक्ष की कोशिश चार सौ से कुछ ज्यादा सीटों पर साझा उम्मीदवार देने की है। अगर ऐसा होता है तो भाजपा की कोशिश होगी कि आमने सामने के मुकाबले वाली इन सीटों पर कोई ऐसी तीसरी पार्टी चुनाव न लड़े, जो पहले उसके साथ रही है क्योंकि तब जो वोट कटेगा वह भाजपा का वोट हो सकता है। चूंकि विपक्ष सत्ता विरोधी वोट को एक साथ लाने की कोशिश कर रहा है इसलिए भाजपा के लिए जरूरी है कि वह अपने कोर वोट में बंटवारा न होने दे। इसलिए पुरानी सभी सहयोगी पार्टियों को साथ लाने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में किसी तरह से जीतने की कोशिश करेगी। उसको पता है कि पिछले 10 साल की राजनीति में जो कुछ भी बनाया गया है उसको कंसोलिडेट करने के लिए कम से कम एक कार्यकाल की और जरूरत है। सो, भले अभी उसकी मजबूरी से क्षेत्रीय पार्टियां मजबूत हो जाएं लेकिन एक बार और भाजपा जीती तो उसके बाद वह सबका हिसाब कर करेगी। देश के महाविद्यालयों, कॉलेजों में पढ़ाने का क्या एकमात्र रास्ता जुगाड़ रह गया है?

वैश्विक बाजार में पहुंच बढ़ाता भारत, सेवा क्षेत्र से भी अधिक योगदान दे सकता है विनिर्माण क्षेत्र

डा. सुरजीत सिंह

अमेरिका–भारत का तेजी से बढ़ता साझा बाजार निवेशकों के लिए एक बड़े आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। विनिर्माण क्षेत्र में विशेष रूप से मोबाइल फोन लक्जरी और आटोमोबाइल उद्यम आदि को भारत में स्थापित करने के प्रति विदेशी निवेशकों का रुझान तेजी से बढ़ा है। इंजीनियरिंग रसायन फार्मास्यूटिकल्स टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु आदि उद्यम देश के आर्थिक विकास के एक अभिन्न स्तंभ के रूप में उभर रहे हैं।

एसएंडपी ग्लोबल ने विनिर्माण क्रय प्रबंधन सूचकांक (पीएमआइ) के आधार पर भारत के विनिर्माण क्षेत्र की सकारात्मक तस्वीर पेश की है। यह रिपोर्ट इसलिए उल्लेखनीय है कि रूस–यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर आर्थिक प्रतिकूलताएं तेजी से बढ़ रही हैं। हर देश महंगाई एवं ऋण के जाल से निकलने के लिए जूझ रहा है। इन विपरीत परिस्थितियों में भी पीएमआइ रिपोर्ट देश में उद्योगों के लिए अनुकूल आर्थिक माहौल की कहानी कह रही है। इससे पहले विश्व के अधिकांश अनुमानों को गलत साबित करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था ने अप्रत्याशित रूप से पिछले वित्तीय वर्ष में 7.2 प्रतिशत वृद्धि दर को हासिल किया। अधिकांश एजेंसियों ने 6 से 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर रहने के ही अनुमान व्यक्त किए थे।

पीएमआइ रिपोर्ट कंपनियों द्वारा दिए जाने वाले रोजगार, मिलने वाले आर्डर, उत्पादन, स्टाक, डिलिवरी आदि के आधार पर तैयार की जाती है। पीएमआइ के अनुसार भारत का सूचकांक मई में 31 महीनों के उच्चतम स्तर 58.7 पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर पीएमआइ की तुलना अमेरिका से की जाए तो यह पिछले तीन वर्षों में अपने न्यूनतम स्तर पर है। चीन की भी लगभग यही स्थिति है। जबकि अक्टूबर 2020 के बाद से विनिर्माण क्षेत्र में भारत अपने उच्चतम स्तर पर है।पीएमआइ अधिक होने का तात्पर्य यह है कि भारत के उत्पादों की मांग घरेलू स्तर के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रही है। पिछले छह महीनों में नए आर्डर मिलने के परिणामस्वरूप भारतीय निर्माताओं ने उत्पादन की मात्रा में वृद्धि के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय बिक्री अर्थात निर्यात में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की है। इससे न सिर्फ आर्थिक विकास को बल मिला है, बल्कि नौकरियों के अवसर भी बढ़े हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार रोजगार वृद्धि की दर अपने छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है।डिजिटल परिवर्तन, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी ने भारत के विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के साथ–साथ उसकी रचनात्मकता को भी बढ़ावा दिया है। 2.73 करोड़ से अधिक श्रमिकों को रोजगार देने वाले इस क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन के साथ–साथ निर्मित उत्पादों की शृंखला में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। औद्योगिक गलियारों के विकास द्वारा भी सरकार विनिर्माण क्षेत्र को विस्तारित कर राष्ट्र के समग्र विकास में इसकी हिस्सेदारी को बढ़ावा देने में प्रयत्नशील है।अमेरिका–भारत का तेजी से बढ़ता साझा बाजार निवेशकों के लिए एक बड़े आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। विनिर्माण क्षेत्र में विशेष रूप से मोबाइल फोन, लक्जरी और आटोमोबाइल उद्यम आदि को भारत में स्थापित करने के प्रति विदेशी निवेशकों का रुझान तेजी से बढ़ा है। इंजीनियरिंग, रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु आदि उद्यम देश के आर्थिक विकास के एक अभिन्न स्तंभ के रूप में उभर रहे हैं। इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रानिक्स एसोसिएशन के अनुसार भारत में 2025 तक लैपटाप और टैबलेट निर्माण क्षमता को 10 हजार करोड़ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अभिन्न कश्मीर का सपना अब पूरा हो चुका है : पुष्पराज सिंह

बलिदान दिवस पर याद किए गए जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । भाजपा के जिला कार्यालय पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर गोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को किया गया। कार्यालय पर भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

की पुण्यतिथि पर भाजपाइयों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धाजंलि दी। इस दौरान पार्टी के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अभिन्न कश्मीर का जो सपना देखा था, आज वह पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्र सरकार ने साहसिक और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए एक झटके में कश्मीर से धारा 370 और 35 ए को हटा दिया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राष्ट्रवादी और अभिन्न कश्मीर की सोच सदा प्रेरणादायी रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में चल रही केंद्र सरकार श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार करने का काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि मुखर्जी ने जनसंघ के रूप मे जो पौधा लगाया था, आज वही भाजपा के रूप में पूरे भारत में अपना मजबूत संगठन तैयार कर लिया है। आज का दिन हम सबके लिए देश के लिए महत्वपूर्ण है। आज ऐसे सपूत का जन्म हुआ, जिनके संकल्प से कश्मीर में धारा 370 हटी। डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी विद्वान, राष्ट्रवादी विचारक, भारतीय जीवन मूल परंपरा संस्कृति के पुजारी थे और उन्होंने ही भारतीय जनसंघ की स्थापना की थी। आज हम सभी कहते हुए प्रसन्न हैं। धारा 370 हटाने के लिए डॉक्टर साहब ने जो बलिदान दिया था हमें गर्व है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उस संकल्प को पूरा किया। राष्ट्र की अखंडता और समाज की उन्नति के लिए आजीवन कार्य करने वाले महान चिंतक एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्रद्धेय डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ। मूल्य आधारित राजनीति के प्रतीक के रूप में आपका ओजपूर्ण व्यक्तित्व प्रत्येक देशवासी को राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का बोध कराता रहेगा। उन्होंने आगे बताया कि बलिदान दिवस का कार्यक्रम प्रत्येक बूथ पर होगा और उनके बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे। इस अवसर पर सुशील मिश्रा, रवींद्र सिंह राजू दादा, धनन्जय सिंह, ओमप्रकाश सिंह, राम सिंह मौर्या, आमोद सिंह, रोहन सिंह, इन्द्रसेन सिंह, पंकज सिंह जितेंद्र मिश्रा, नरेन्द्र विश्वकर्मा विस्तारक गण अम्बरीशधर, माधव, कृष्णा और संतोष पाण्डेय शुभम मौर्या आदि उपस्थित रहे।

ससुर को आपत्तिजनक स्थिति में देख लेने पर हुई थी बहू की हत्या

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के हिम्मतपुर गाँव में बुद्धवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटक रही रूमा की हत्या की गयी थी । इस बात की तहरीर रूमा के भाई सुनील कुमार पुत्र श्रीपाल सरोज ने शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक अवनीश राय को देते हुए घटना में संलिप्त रूमा के ससुर नन्हें सरोज, देवर विकास सरोज परिवार की मंजना देवी उर्फ लल्ली देवी पत्नी स्व० कीर्तिराज सरोज तथा गाँव के बोड़ई पर रूमा की हत्या करने का आरोप लगाया है। भाई सुनील ने आरोप लगाया है कि ससुर नन्हें सरोज का अवैध सम्बन्ध एक महिला से है । महिला तथा ससुर को एक दिन आपत्तिजनक स्थिति में पाए जाने पर रूमा ने इस बात की जानकारी दो दिन पूर्व परिजनों को दिया था। भाई सुनील ने तहरीर में लिखा है कि बहन रूमा की हत्या का यही कारण है। प्रभारी निरीक्षक अवनीश राय ने बताया की पीएम रिपोर्ट आने के बाद कार्यवाही की जाएगी।

पिहानी सिंह वाहिनी मंदिर में आठ दिवसीय आषाढ़ी मेले का शुभारंभ

हरदोई, पिहानी कस्बे के सिंह वाहिनी मंदिर मे आठ दिवसीय आषाढी मेले का शुभारंभ हो गया। प्रतिवर्ष मेले के दौरान श्रद्धालु श्री नृसिंह आश्रम मंदिर पर स्थित बाबा लक्ष्मण दास की मूर्ति और धूनी पर श्रद्धा सहित चिलम चढ़ाते हैं। प्रचलित मान्यता है कि बाबा की धूनी के पास चिलम चढ़ा कर श्रद्धालु जो भी मनोकामना करते हैं, वह अवश्य पूरी होती है। सोलह सिंगार करके मां सिंह वाहिनी की सुहागिनें पूजा करती हैं। प्राचीन नृसिंह मंदिर में नृसिंह भगवान का विधि विधान पूजन होता है।

सिंह वाहिनी मंदिर के महंत मदन दास, समाजसेवी स्वर्गीय बृजेश सिंह मझिले के पुत्र विशाल सिंह शीतला मंदिर में व राकेश गुप्ता भूरेश्वर मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन करते हैं। इन भंडारों में आसपास इलाके के अलावा दूरदराज व अन्य प्रांतों से आए साधु संत भी हिस्सा लेते हैं। आठ दिवसीय अषाढ़ी मेले में खिलौने चाट, पकौड़ी झूला आदि की दुकानें लगती है। मेले में बच्चे खरीदारी करके चाट पकौड़ी का खूब आनंद लेते हैं। शुक्रवार को राज किशोर सिंह ,विशाल सिंह, राम स्नेही, विजय कुमार समेत सैकड़ों लोगों ने बाबा लक्ष्मण दास को प्रसाद के रूप में चिलम चढ़ाई। आरती, रोली, स्नेह लता ,मीना कुमारी समेत

कई सुहागिनों ने मां सिंह वाहिनी का सोलह सिंगार कर पूजा अर्चना की। शुक्रवार को मेले में खासी भीड़ उमड़ी।

महंत मदन दास बताते हैं कि अषाढ़ी माह में सिंह वाहिनी माता, बाबा लक्ष्मण दास व नृसिंह भगवान की पूजा उपासना से शक्ति से हर कष्ट से मुक्ति मिल सकती है। सच्चे मन और पूर्ण श्रृद्धा से अगर जप तप किया जाए। तो सभी मनोकामनाओं की पूर्ति हो सकती है। महंत ने बताया कि आषाढ़ मास के पहले दिन खड़ाऊं, छाता, नमक और आंवले का दान किसी ब्राह्मण को करें। इस महीने में सूर्य और देवी की भी उपासना की व तंत्र और शक्ति उपासना के लिए ष्गुप्त नवरात्रि अनुष्ठानश किया जाएगा।27 जून सोमवार को रोहिणी व्रत की तिथि है।27 जून सोमवार को ही मासिक शिवरात्रि भी है। 29 जून बुधवार को आषाढ़ अमावस्या की तिथि रहेगी। इसी दिन मेले का समापन किया जाएगा।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली थाना अंतर्गत क्षेत्र के ताखा पश्चिम गांव निवासी युवक गुरुवार की रात ट्रेन से कटकर अपनी जान दे दी। कंट्रोल रुम की सूचना पर पहुची आरपीएफ पुलिस ने सूचना कोतवाली पुलिस को दिया ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक लिखा–पढ़ी करते हुए पोस्ट मार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ताखा पश्चिम गांव निवासी नीरज राजभर (21)पुत्र शिवकुमार राजभर गुरुवार की रात अज्ञात ट्रेन के सामने कूदकर अपनी जान दे दी। भोर में लखनऊ जा रही ट्रेन के ड्राइवर ने इसकी जानकारी कंट्रोल रूम को दिया। सूचना पर पहुंची आरपीएफ पुलिस ने घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस को दिया सूचना पाकर मौके पर पहुचें दरोगा प्रशांत पांडेय अपने हमराहियों के साथ शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त करते हुए आवश्यक लिखा–पढ़ी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया ।मृतक युवक मानसिक रूप से विछिप्त बताया जा रहा है। मौत की खबर सुनकर परिजनों मे कोहराम मच गया ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग शिविर आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी गोमती नगर जनकल्याण को जागरूक किया और ष्करो योग रहो निरोगष के नारे के साथ निरंतर योग करने के लिए प्रेरित किया स विराट खंड जन कल्याण समिति , विकल्प जन कल्याण समिति , विराज खंड जन कल्याण समिति, विनीत खंड 6 जनकल्याण समिति,विशाल खंड 1 जनकल्याण समिति,विराम खंड 3 जनकल्याण समिति,विक्रांत खंड 1 जनकल्याण समिति,विशाल खंड 3 जनकल्याण समिति,विवेकानंद पार्क ,विश्वास खंड जनकल्याण समिति,विवेक खंड 4 जनकल्याण समिति,विराम खंड 2 जनकल्याण समिति,परमहंस जनकल्याण समिति,विपुल खंड जनकल्याण समिति,विनय खंड जनकल्याण समिति, विनम्र खंड जनकल्याण समिति, के द्वारा विशाल योग शिविर आयोजित किया गया और निरंतर योग करने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया स

महासमिति के उपखंड समितियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योग शिविर आयोजित कर योग के प्रति लोगों गोमती नगर जनकल्याण महासमिति की जिन उपखंड समितियों के द्वारा सामूहिक योग शिविर आयोजित किया गया वह इस प्रकार है स अजय तिवारी प्रचार सचिव गोमती नगर जनकल्याण महासमिति ने उक्त जानकारी दी।

ईद उल अजहा पर्व को लेकर बकरों की खरीदारी हुई तेज

अयोध्या ।(राजेश श्रीवास्तव) ईद उल अजहा का पर्व 29 जून को मनाया जाएगा उसी पर्व को लेकर इस दिन मुस्लिम समाज के लोग बकरों पर कुर्बानी करते हैं। वही कुर्बानी करने के लिए बकरों की खरीदारी तेज हो गई जिसको लेकर अयोध्या के नियावां बकरा मंडी में हर बृहस्पतिवार को बकरा मंडी लगती है। उसी क्रम में ईद उल अजहा से पहले आज बकरा मंडी लगी। ईद उल अजहा पर्व को बकरीद पर्व भी कहते हैं। बकरा मंडी में तरह–तरह के बकरे आए और लोगों ने खरीदारी किया। वहीं बकरा मंडी में सबसे अधिकतम दाम वाला बकरा ध120000 का आया जो तोता परी बकरा है।और उसकी कीमत मार्केट में खरीदारों ने 80000 तक लगाई वही बकरा मालिक ने बकरे की कीमत 120000 मांगी जिस पर लगातार लोग मोलतोल करते रहे और बकरा मालिक ने कहा कि आखिरी हम 110000 तक इस बकरे को देंगे। वही लोगों ने बताया कि यह बहुत ही अच्छी ऊंची जाति का बकरा है। और यह बहुत ही खूबसूरत बकरा है। और पूरी बकरा मंडी में सबसे बड़ा बकरा है। इसलिए बकरे का रेट ज्यादा है। वही बकरों की खरीदारों ने बताया कि हम लोग मंडी में कुर्बानी के लिए बकरा लेने के लिए आए हैं। और इस मार्केट में हम लोगों ने देखा कि यह सबसे बड़ा बकरा और खूबसूरत बकरा है। जिसकी कीमत बकरा मालिक ध120000 मांग रहा है। और हम लोग 80000 तक इस बकरे का दाम लगा चुके हैं। और कहा कि अभी हम लोग मोलतोल करेंगे कुछ कम ज्यादा अगर करेंगे तो हम लोग इस बकरे को ले लेंगे। इस बकरे का वजन लगभग 1 कुंटल बताया। वही बकरा मंडी के अध्यक्ष मोहम्मद उमर कुरैशी ने बताया बकरी ईद के पर्व को देखते हुए बकरे तो मंडी में आते ही रहते हैं जो 5000 से शुरू होकर ध40000 कीमत तक के बकरे आते हैं और बिकते हैं और कहां की 40000 के बकरे 2,से 4 बिकते हैं। बहुत अधिक नहीं मिलते हैं। आने को तो इस मंडी में हजारों बकरे आते हैं। और बकरों की खरीदारी करने के लिए कई जनपदों के व्यापारी यहां आकर खरीदारी बकरों भी करते हैं। और बकरे खरीद कर ले जाते हैं बकरा मंडी में हर बृहस्पतिवार को बकरा मंडी लगती है। लेकिन बकरीद के पर्व को लेकर के आज बाजार लगी थी और अब बकरी ईद के पर्व से पहले रविवार को बकरों की बाजार लगेगी वह अंतिम बाजार होगी। बकरीद के खरीदारों के लिए वही अध्यक्ष ने कहा कि बकरीद के पर्व को लेकर के जो लोग भी कुर्बानी कराना चाहता है। वह आये बकरा खरीद कर लेकर के जाए और जो बेचना चाहते हैं वह मंडी में लाकर के बेचे। हम लोगों को जिला प्रशासन का पूरा सहयोग मिल रहा है वहीं बकरा मंडी के अध्यक्ष मोहम्मद उमर कुरैशी ने प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

पीएम आवास निर्माण कराने के नाम पर डेढ़ लाख की ठगी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के सरोखनपुर गाँव की एक विधवा महिला से पीएम आवास निर्माण कराने के नाम पर एक व्यक्ति ने ढाई वर्ष पूर्व डेढ़ लाख रुपये की ठगी कर लिया है। इस बात को लेकर महिला परेशान है। पीड़िता उर्मिला देवी पत्नी स्व० राममूर्ति ने शुक्रवार को इस बात का शिकायती पत्र प्रभारी निरीक्षक को देते हुए न्याय की गुहार लगाई है। विधवा बुजुर्ग महिला का आरोप है कि उसके नाम से प्रधानमंत्री आवास शहरी की स्वीकृति हुई है। ठेकेदार मो० अरमान तथा मनोज यादव से दो लाख पचास हजार रुपये में आवास निर्माण बात तय हो गयी। पीड़िता ने 27 अक्टूबर वर्ष 2021 को पचास हजार तथा 31 अक्टूबर 2021 को एक लाख रुपये मनोज यादव निवासी साढ़ापुर थाना सिंगरामऊ को दिया। मौके पर अरमान भी मौजूद था। ठेकेदार ने आज तक आवास निर्माण नहीं किया। प्रभारी निरीक्षक अवनीश राय ने ठेकेदार मनोज यादव को बुला कर एक सप्ताह में आवास निर्माण कराने की चेतावनी दिया।

अपब्बय एवं सामाजिक जुड़ाव के लिए आवश्यक है ऐसे सामूहिक आयोजन–अरुणेश मिश्र

अयोध्या ।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) भगवान परशुराम प्रेरणा ट्रस्ट के बैनर तले घंटाघर हरदोई में हुए सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार सामाजिक संस्था भगवान परशुराम प्रेरणा ट्रस्ट हरदोई के तत्वाधान मैं आज घंटाघर परिसर में ब्राह्मण बटुको का सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार समारोह आयोजित हुआ, आचार्य पंडित अशोक मिश्र के साथ आचार्यों की टोली ने 30 बटूको को वेद मंत्रों से यज्ञ वेदी में आहुतियां देकर यज्ञो पवित संस्कार की दीक्षा दी, मुख्य अतिथि जामनगर आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पूर्व डायरेक्टर डॉ प्रोफेसर रामबाबू द्विवेदी ने सामाजिक संस्कारों में सामूहिक ता का प्रयोग भाव को समाज हित में अच्छी पहल बताया ,प्रोफेसर द्विवेदी ने कहा कि संस्कार ,संस्कृति का आधार होते हैं। उन्होंने गायत्री मंत्र के साथ संध्या हवन से जीवन को सदाचारी बनाने पर बल दिया। प्रोफेसर द्विवेदी ने बच्चों को व्यसन एवं नशीले पदार्थों गुटखा से बचने की सीख दी ।सीतापुर के कवि एवं पूर्व प्रधानाचार्य अरुणेश मिश्र ने कहा कि संस्कारों में आ रही गिरावट के बीच ऐसे सामूहिक कार्यक्रम प्रेरणादाई हैंउन्होंने कहा कि समाज सामूहिक संस्कारों की परंपरा को आगे बढ़ाकर धन के अपव्यय को रोकने में सहायक बने और नई पीढ़ी की शिक्षा पर ध्यान दें। सीएसएन डिग्री कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ बीएस पांडे ने कहा संस्कार व्यक्ति को सन्मार्ग पर चलने की सीख देते हैं कहा कि यज्ञोपवीत संस्कार उनमें प्रमुख है जो ब्रम्हचर्य पालन के साथ ज्ञान–विज्ञान और पठन–पाठन की संस्कृति से जोड़ता है। गुरु राम राय स्कूल की पूर्व उप प्रधानाचार्य डॉ शीला पांडे ने संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नई पीढ़ी और समाज को दहेज जैसी कुप्रथा से बचने की सीख दी ।प्रेरणा ट्रस्ट के ट्रस्टी अरुणेश बाजपेई ने अतिथियों व बटुकों का स्वागत करते हुए ढाई दशक में अब तक 1000 से अधिक सामूहिक जनेऊ संस्कार एवं सामूहिक विवाह कराने की बात कही। सीतापुर से आए कवि रजनीश मिश्र विजय दीक्षित के साथ ट्रस्टी पारुल दीक्षित ने भी विचार रखे ।अतिथियों का आभार ट्रस्टी अवनीकांत बाजपेई ने जताया संचालन महेश मिश्र ने किया। समारोह में नैमीसरण से आए साधु संतों ने बटुको को आशीष दिया। अध्यक्षता करते हुए संयुक्त ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष एवं संत बाल वेद शास्त्री ने सामूहिक जनों एवं विवाह को निरंतरता बनाए रखने के संकल्प दोहराए ।कहां बच्चे व्यसनों से बचे हैं समाजसेवी भरत पांडे श्री सरस्वती सदन की लाइब्रेरियन सीमा मिश्रा ने यज्ञ वेदीयों की व्यवस्था संभाली प्रत्येक वेदी पर आचार्यों ने दीक्षा दी महामंत्री गिरीश बाजपेई एवं अन्वी वाजपेई ने बटुकों को पंजीकरण की व्यवस्था संभाली, राजस्थान से लेकर लखनऊ के बटुक शामिल रहे।

युवक की शारदा नहर में डूबने से मौत

हरदोई, क्षेत्र के ग्राम कुल्लही निवासी युवक दीपक शर्मा की शारदा नहर में डूब जाने के कारण मौत हो गई। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसका शव कुल्लही के निकट पुल से से 50 मीटर आगे शारदा नहर में बरामद कर लिया।

दीपक शर्मा पुत्र शिवराम शर्मा रोज की तरह शारदा नहर में गाय को पानी पिलाने गया था। गाय को पानी पिलाने के बाद उसमें बबूल के पेड़ में गाय को बांध दिया। गाय को पानी पिलाते समय दीपक शर्मा के पैर में मिट्टी लग गई थी। जिसको साफ करने के लिए वह दोबारा शारदा नहर में गया। पैर की मिट्टी साफ करते समय अचानक दीपक शर्मा फिसल गया और वह गहरे पानी में जा गिरा । पानी इतना गहरा था कि उसको 2 मिनट में कई गोते लगे। जैसे ही गांव के लोगों को लोगों को पता चला तो गांव के कुछ तैराक शारदा नहर में छलांग लगाकर दीपक शर्मा को ढूंढने लगे। कड़ी मशक्कत के बाद

गांव वालों ने पुल के 50 मीटर आगे दीपक शर्मा का शव बरामद किया। दीपक शर्मा के पिता शिवराज शर्मा हरैया पुल के पास लोहार गिरी का काम करते हैं। मृतक दीपक शर्मा की एक बड़ी बहन व एक बड़ा भाई भी है।

विद्युत प्रवाहित एचटी लाइन में लोहे की सरिया टकराने से मजदूर की मौत दूसरा घायल

अयोध्या ।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिले के तारुन कस्बे से सटे भावापुर गांव में मजदूर से विद्युत प्रवाहित एचटी लाइन के हाईटेंशन तारो में लोहे की सरिया टकराने से मौके पर मौत हो गयी और साथ काम कर रहे दूसरे अन्य मजदूर के घायल होंने की चर्चा है। लेकिन पहले की हालत देख दूसरा मजदूर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई ।मृतक परिवार का आरोप हैं कि अपने घर कार्य कराने को ले गया गांव का व्यक्ति मजदूर की लाश मृतक के घर रख परिजनों को बिना कुछ बताये मौके से भाग निकला। परिजन लाश देख दहाड़ मार चीखने चिल्लाने लगे। बताया गया कि थाना क्षेत्र के अजय कुमार राजभर पुत्र राम लोचन 25 बर्ष गुरुवार की प्रातः अपने ही गांव के व्यक्ति के यहां निर्माणाधीन मकान कार्य मे लेबर का कार्य करने गया था। जो लोहे की सरिया अन्य मजदूरों के साथ सीधी कर रहा था। इसी दौरान बगल से गये एचटी लाइन के बिजली तारो में लोहे की सरिया जा टकराई जिससे वह लोहे की सरिया सहित बिजली तारो में चिपका गया और मौके पर साथ कार्य कर रहे अन्य मजदूर चिल्लाने लगे। इस दौरान अजय कुमार जमीन पर गिर पड़ा तो अन्य मजदूर उसके पैर के तलवे को हाथों से रगड़ने लगे। शरीर मे कोई हलचल न होने से मकान स्वामी अपने साथियों के साथ युवक की लाश मृतक के घर छोड़ भाग खड़ा हुआ। मृतक परिजनों के रोने की आवाज सुन आस पड़ोस के लोगो की भीड़ भी जुटने लगी। तभी किसी ने मामले की जानकारी मुकामी पुलिस को दे दी। इसी दौरान गांव के लोगो के सहयोग से युवक को लेकर परिजन तारुन सीएचसी ले गये। जहाँ मौके पर मौजूद अधीक्षक डॉ0 रोहित चौरसिया ने युवक को जाँच के बाद मृत्यु घोषित कर दिया ।तभी तारुन थाने से दरोगा मुन्नीलाल मय हमराह के सीएचसी पहुँच मृतक की लाश का पंचनामा कर शव को पीएम को भेज दिया ।मृतक अपने परिवार का अकेला कमाऊ सदस्य था ।जो तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। माता पिता काफी बृद्ध हो चुके। दूसरे अन्य मामूली घायल मजदूर के बारे में विस्तृत जानकारी नही उपलब्ध हो सकी।

जिला उद्योग बंधु की हुई बैठक डीएम की अध्यक्षता में संपन्न

अयोध्या ।(राजेश श्रीवास्तव) जिलाधिकारी नितीश कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 व जिला उद्योग बंधु की बैठक संपन्न हुई ।बैठक में सर्वप्रथम उपायुक्त उद्योग द्वारा जिला उद्योग बंधु के विगत बैठक के अनुपालन आख्या प्रस्तुत की गई। तदोपरांत बैठक में जिलाधिकारी ने औद्योगिक विकास की गति में तीव्रता लाने के लिए अनुकूल वातावरण सृजित करने तथा उद्यमियों के बहुमूल्य समय का सदुपयोग कर उत्पादन वृद्धि किये जाने के दृष्टिगत सर्वेनिष्ट आवेदन पत्र पर आधारित ऑनलाइन एकल मेज व्यवस्था (निवेश मित्र) पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों को निर्धारित समय में निस्तारित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उद्यमियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की बैठक में जनपद में विभिन्न उद्यमियों द्वारा प्राप्त एमओयू से संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान सूचित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में उपायुक्त उद्योग ने बताया कि जनपद में पर्यटन, पशुपालन, कृषि, आयुष, डेरी, चिकित्सा शिक्षा, नेडा, सहकारिता, वन, उद्यान, आवास विकास, शहरी विकास, यूपी नेडा सहित अन्य संबंधित विभागों में कुल 338 एम0ओ0यू0 प्राप्त हुए हैं जिनके द्वारा 141497.53 करोड़ का इन्वेस्टमेंट प्रस्तावित है जिससे 99680 लोगों के रोजगार सृजित होंगे, उन्होंने बताया कि कुल प्राप्त एम0ओ0यू0 में से 79 एम0ओ0यू0 (2580.37 करोड़) से संबंधित इन्वेस्टर्स द्वारा अपने इन्वेस्ट से संबंधित समस्त कार्यों को पूर्ण कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने समस्त संबंधित विभाग के अधिकारियों को जनपद में इन्वेस्ट हेतु प्राप्त शेष एमओयू से संबंधित इन्वेस्टर्स से संपर्क एवं समन्वय स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं अपेक्षाओं को जानने तथा समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी इन्वेस्टर्स की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के साथ ही इन्वेस्टर्स को जनपद में समस्त क्षेत्रों में इन्वेस्टमेंट का अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को अपने अपने विभाग से संबंधित योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार भी करने के निर्देश दिए जिससे जनपद इन्वेस्टमेंट को और अधिक बढ़ावा मिले ।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अनिता यादव, उपायुक्त उद्योग सहित अयोध्या विकास प्राधिकरण, वन, पर्यटन, विभिन्न बैंकों के अधिकारी व उद्यमी उपस्थित रहे।

नशे में बर्वाद हो रही नई पीढ़ी,गांवों से शहरों तक फैला स्मैक का जाल

अयोध्या ।(राजेश श्रीवास्तव) थाना महराजगंज क्षेत्र में जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के चलते क्षेत्र में स्मैक के कारोबार का जाल फैला है जिसमें अनेक परिवार और युवा बर्वाद हो रहे हैं। अनेक किशोर और युवाओं की जवानी स्मैक की लत में खप रही है ।यह नशा शराब या सिगरेट का नहीं है, बल्कि गांजा, कोकीन, अफीम, डेंडराइट, स्मैक और नशीली दवाओं का है। इस तरह का नशा करने की वजह से युवाओं की मानसिक स्थिति बिगड़ती जा रही है। सूत्रों की माने तो सरायराशि, राजेपुर, पूरा बाजार, दलपतपुर, विशवल स्मैक बिक्री का हब बना हुआ है इन गांवो में शहर से लेकर गांव तक के लोग खरीदने व बेचने आते हैं वहीं इस नशे के आदि होने के बाद से क्षेत्र में क्राईम भी बढ़ते जा रहे है ।क्षेत्र में युवा पिढ़ी द्वारा नशे के ज्यादा आदि हो जाने के बाद अपने शरीर का खून बेचकर, उस पैसे से स्मैक का नशा करते हैं। खून के सौदागर ऐसे युवाओं की तलाश करते हैं, जिन्हें स्मैक पीने की लत है, क्षेत्र में चोरी, लूटपाट, मारपीट जैसी छोटी–छोटी घटना लगातार बढ़ती जा रही है। वहीं अब क्षेत्र में चंद रुपयों के कारण युवा चोरी करते नजर आ रहे है।

एसएसपी की फटकार के बाद पुलिस ने किया रिपोर्ट दर्ज

अयोध्या ।(राजेश श्रीवास्तव) जिले के तारुन थाना अंतर्गत रामपुर भगन बाजार में बड़े भाई ने अपने दो छोटे भाइयों व उसकी पत्नी की लाठी–डंडों से पिटाई करने का आरोप है। मारपीट मे एक दिव्यांग भाई की इलाज के दौरान मौत हो गई। मारपीट की घटना के बाद पीड़ित पक्ष द्वारा तारुन थाने में तहरीर दी गई लेकिन पुलिस उदासीन बनी रही। बाद में एसएसपी की कड़ी फटकार के बाद तारुन पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या सहित अन्य धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई। घटना 19 जून को रामपुरभगन कस्बा की है। पूराकलंदर थाना क्षेत्र के भरतकुंड नंदीग्राम निवासी पीड़ित महिला किरन पत्नी बृजेश कुमार द्वारा पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि जेठ सोनू मानसिक रूप से दिव्यांग है। आरोप है कि रामपुरभगन बाजार निवासी बड़े जेठ विनय कुमार के यहां सोनू को छोड़ कर घर जा रही थी। इसी दौरान उनके जेठ विनय ने उनके साथ गाली गलौज शुरू कर दिया। उन्हें जमीन में गिरा कर काफी मारा पीटा। सोनू को भी आरोपी ने लाठी डंडा से बुरी तरह से मारा पीटा। जिसमें सभी बुरी तरह से घायल हो गए। बाजारवासियों की मदद से पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को तारुन सीएचसी पहुंचाया। जहां पर मौजूद डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। उपचार के दौरान बुरी तरह से घायल दिव्यांग सोनू की जिला चिकित्सालय में मौत हो गई। और अन्य घायलों का इलाज चल रहा है। रामपुर भगन पुलिस चौकी प्रभारी अभिनंदन पांडे ने बताया पीड़ित महिला की तहरीर पर आरोपी विनय कुमार के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

प्रधानमंत्री इंस्पायर अवार्ड मानक योजना 2023–24 में नामांकन को बढ़ावा देने के लिए 'इंस्पायर–मानक ऐप्प' ("INSPIRE-MANAK App") हुआ लांच : डॉ0 दिनेश कुमार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। जे डी लखनऊ कार्यालय के मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल डॉ0 दिनेश कुमार ने बताया कि भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विभाग के अंतर्गत 'राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान' (एन.आई.एफ.) द्वारा कक्षा 6 से 10 तक के अधिक से अधिक छात्र छात्राओं के नवाचारी आइडियाज को पुरष्कृत करने के उद्देश्य से इंस्पायर अवार्ड मानक योजना का बिल्कुल नया मोबाइल ऐप्प "INSPIRE-MANAK App" लांच किया है जिसको कोई भी

लिंक से डाउनलोड कर के अपने मोबाइल में इंस्टाल कर आसानी से विद्यालय प्रबन्धन गूगल प्ले स्टोर ij https://shorturl-at/cvZ14 अपने अपने स्कूल से पांच छात्र छात्राओं के नवाचारी वैज्ञानिक आइडियाज का नामांकन कर सकते हैं, मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल डॉ0 दिनेश कुमार ने बताया कि उपरोक्त ऐप्प ई–मायस पोर्टल E-MIAS portal (www. inspireawards-dst.gov.in) से भी डाउनलोड किया जा सकता है। डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि इस ऐप के माध्यम से वो सभी कार्य मोबाइल से भी हो सकते हैं जो कंप्यूटर से इंस्पायर अवार्ड मानक पोर्टल पर किये जाते थे जैसे इस ऐप के माध्यम से कोई भी मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय इंस्पायर अवार्ड मानक पोर्टल पर अपनी स्कूल आई डी जेनेरेट कर सकता है। डॉ0दिनेश ने बताया चूँकि इंस्पायर अवार्ड मानक पोर्टल पर एक जून 2023 से ही नामांकन प्रारम्भ है,(अन्तिम तिथि 31 अगस्त 2023 है) नामांकन की गति अभी बहुत न्यून है इसलिए इस ऐप्प के माध्यम से भी अधिक से अधिक छात्र छात्राओं से उनके नवाचारी आइडियाज प्राप्त कर मोबाइल से ही नामांकन किये जा सकते हैं। इस ऐप्प को डाउनलोड करने से नामांकन करने तक किसी भी प्रकार समस्या के लिए कोई भी विद्यालय कार्यालय अवधि में मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ दिनेश कुमार से संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक लखनऊ कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं. डॉ. दिनेश कुमार मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल ने बताया कि इस नए ऐप्प से इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में नामांकन की संख्या को बढ़ाने का पूरा प्रयास किया जाएगा,जिससे लखनऊ मण्डल के अधिक से अधिक छात्र– छात्राएं योजना से लाभान्वित हो सकें।

भोजनालय में पुलिस कप्तान को मिली कमी

कमी करे दूर नही तो कार्रवाई तय – पुलिस कप्तान

अयोध्या।पुलिस कप्तान मुनिराज जी ने शुक्रवार को परेड के बाद पुलिस लाइन स्थित सभी कार्यालयों

का बारीकी से निरीक्षण किया ही इसी के साथ उन्होंने भोजनालय में बने भोजन को खाकर उसकी गुणवत्ता को परखा।इस मौके पर उन्होंने खाने की गुणवत्ता में कमी के वहां पर मौजूद सीओ लाइन व प्रतिसार निरीक्षक की क्लास लेते हुए कहा कि उन्हें भोजन की गुणवत्ता में किसी भी तरह की कमी बर्दाश्त नहीं है इस मौके पर उन्होंने सीओ लाइन व प्रतिसार निरीक्षक को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि भोजनालय में खासकर स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। फिलहाल जब तक पुलिस कप्तान मुनिराज जी भोजनालय में रहे तब वहां पर तैनात कर्मियों में भय साफ साफ दिखाई दे रहा था।इसके पहले पुलिस कप्तान ने शुक्रवार की परेड में रिजर्व पुलिस लाइन परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया।वही परेड में एकरुपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल कराया।इसके अलावा उन्होंने कैन्टीन, यूपी 112 कार्यालय, जिला नियंत्रण कक्ष,बैरिक, स्टोर, क्वार्टर गार्द आदि का निरीक्षण कर वहां पर तैनात कर्मियों को रजिस्टर के रख रखाव सम्बन्धी दिशा निर्देश दिया।इस दौरान कई पुलिस अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

भारतीय आदर्श योग संस्थान के तत्वाधान में जनेश्वर मिश्रा पार्क मे योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा योगाभ्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए

मुख्य सचिव ने किया योगाभ्यास

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष एवं भारतीयआदर्श योग संस्थान के संरक्षक संजय गुप्ता ,भारतीय जनता पार्टी की नेत्री अपर्णा यादव एवं संस्कृत संस्थानम के निर्देशक विनय श्रीवास्तव भी योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल हुए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। नवे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के एक दिन पूर्व मंगलवार को भारतीय आदर्श योग संस्थान के तत्वाधान में स्व .जनेश्वर मिश्रा पार्क गोमती नगर में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय आदर्श योग संस्थान के योगाभ्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता एवं भाजपा नेत्री श्रीमती अपर्णा यादव, संस्कृत संस्थानम के निर्देशक विनय जायसवाल भी शामिल हुए तथा बड़ी संख्या में योग साधक एवं साधिकाये योगाभ्यास कार्यक्रम में हिस्सा

लिया इस अवसर भारतीय आदर्श योग संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण दत्त मिश्रा एवं सचिव राजकुमार द्वारा योग साधक योग साधकों को योग कराया गया तथा इस अवसर पर भजन सम्राट किशोर चतुर्वेदी द्वारा योग गीत भी प्रस्तुत किया गया योगाभ्यास कार्यक्रम को मुख्य सचिव ने संबोधित करते हुए कहा योग से शरीर भी स्वस्थ रहता है और मन भी स्वस्थ रहता है योग भारत की प्राचीन परंपरा है उन्होंने कहा कल पूरे विश्व में भारत की इस प्राचीन परंपरा को मनाया जाएगा तथा पूरे विश्व में कल करोड़ों लोग योग करेंगे उन्होंने सभी से स्वयं तथा अपने परिवार में तथा अपने आसपास के लोगों को योग के लिए प्रेरित करने के लिए कहा उन्होंने कहा सरकार का उद्देश्य हर आंगन योग का है उन्होंने कहा भारत पूरे विश्व को वसुधैव कुटुंबकम का आधार मानता है। योगाचार्य कृष्ण दत्त मिश्रा ने योग और ध्यान का महत्व बताया तथा उन्होंने कहा योग के माध्यम से ही शरीर की प्रत्येक नस नाड़ियों को खोला जा सकता है तथा इससे चित भी प्रसन्न रहता है।

नशा मुक्त भारत" अयोध्या पुलिस की अनूठी पहल, पुलिस ने चलाया नशा मुक्ति अभियान

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव) जिले के थाना पटरंगा पुलिस द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नवयुवकों को नशे से दूर रहने शपथ दिलाकर, नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे मे बताया गया। थाना पटरंगा अध्यक्ष ओम प्रकाश ने बताया कि अयोध्या एसएसपी मुनिराज जी के निर्देशन में व रुदौली सीओ के मार्गदर्शन में आज थाना पटरंगा पुलिस टीम द्वारा पटरंगा मंडी व चौराहो पर आमजन, नव युवकों को नशा मुक्त भारत अभियान के नशा से दूर रहने व नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया गया और शपथ दिलाई गई। तथा नशा मुक्ति,हेतु आमजन को भी जागरूक किया गया। इस मौके पर पटरंगा पुलिस के उपनिरीक्षक सुधाकर सिंह व कांस्टेबल अवनीश सिंह मौजूद रहे।

ट्रेन से कटकर मौत

अयोध्या।थाना जीआरपी अयोध्या कैन्ट के अन्तर्गत मृतक अज्ञात उम्र करीब 65 वर्ष पुरुष, सोहावल रेलवे स्टेशन से सुचितागंज रेलवे क्रासिंग के पास 200 मीटर की दूर पर किमी संख्या 982/18–19 के पास पाया गया।इस संबंध में जीआरपी ने बताया कि मृतक के पास कोई पहचान नहीं मिला। जिसके चलते मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।आवश्यक कार्रवाई करते हुए जीआरपी ने शव को मोर्चरी हाउस के लिए भेज दिया है।

ताइवान आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र, भारत के प्रतिनिधियों ने सीएसआईआर–सीडीआरआई लखनऊ का दौरा किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रभाग, ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र, भारत के प्रतिनिधियों ने सीएसआईआर–सीडीआरआई लखनऊ का दौरा किया। इस यात्रा का उद्देश्य साझा हितों के लिए द्विपक्षीय सहयोग की तलाश करना था।

सीएसआईआर–सीडीआरआई के निदेशक ने मैकेनिकल और इलेक्ट्रो–मैकेनिकल इंजीनियरिंग नेशनल आई–लैन यूनिवर्सिटी, ताइवान के निदेशक और प्रतिष्ठित प्रोफेसर चिन त्सान वांग एवं विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रभाग, ताइपे आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र दिल्ली की असिस्टेंट डाइरेक्टर एली च्यांग का स्वागत किया। सीएसआईआर–सीडीआरआई के निदेशक ने संस्थान की गतिविधियों की जानकारी देते हुए विभिन्न क्षेत्रों जिसमें सीडीआरआई काम करता है एवं वर्तमान में चल रही विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के बारे में प्रतिनिधियों से जानकारी साझा की। प्रोफेसर चिन त्सान वांग एवं एली च्यांग ने सीएसआईआर–सीडीआरआई, लखनऊ के वैज्ञानिकों की टीम के साथ आपसी हित के क्षेत्रों में संभावित द्विपक्षीय सहयोग के विषय चर्चा की। संस्थान के वैज्ञानिकों की टीम ने ताइवान के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की और सहयोग और संसाधन साझा करने के लिए फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजीज, इन विट्रो डायग्नोस्टिक्स, एंटीमाइक्रोबियल पेप्टाइड डेवलपमेंट, नैनो–कॉम्प्लेक्स एवं नैनो फॉर्मूलेशन तथा प्रयोगशाला जन्तु सुविधा की जानकारी साझा की एवं भविष्य में सहयोगात्मक कार्यक्रमों हेतु संस्थान की क्षमताओं पर भी चर्चा की। इसके अलावा प्रतिनिधियों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया एवं अनुसंधान सुविधाओं को देखा और अन्य वैज्ञानिकों एवं छात्रो के साथ बातचीत की।

मोदी योगी का डबल इंजन फेल मांगोगे बिजली मिलेगी जेल : अनिल प्रजापति

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव) आम आदमी पार्टी अयोध्या स्थित गांधी पार्क में बिजली की अघोषित कटौती के खिलाफ धरना प्रदर्शन ज्ञापन दिया। जनता बिजली कटौती से त्राहिमाम कर रही है।पूरे प्रदेश में बिजली कटौती का संकट लोग झेल रहे हैं गर्मी की वजह से अस्पतालों में लोग भर्ती हो रहे हैं और मौतें हो रही हैं अकेले पूर्वांचल में सैकड़ों लोगों की मौतें हो चुकी हैं,अस्पतालों में भर्ती मरीज गर्मी से बेहाल होकर भाग रहे हैं और गर्मी के कारण तमाम बीमारियों का शिकार हो रहे हैं. ये बेहद दुर्भाग्य है कि 21वीं सदी में लोगों को बिजली जैसी मूलभूत आवश्यकता की पूर्ति नहीं हो रही है. बिजली आपूर्ति न होने की वजह से गर्मी के कारण लोगों की मौत हुई है ये मौत नहीं हत्या है. लोगों की मौतों पर भाजपा के मंत्री संवेदनहीन बयान दे रहे हैं ये दुःखद है।

वहीं दूसरी तरफ दिल्ली की केजरीवाल सरकार बिना कटौती 24 घंटे बिजली दिल्ली की जनता को उपलब्ध करा रही है. उत्तर प्रदेश की जनता योगी सरकार से जानना चाहती है कि जब दिल्ली की जनता को मुफ्त और बिना कटौती 24 घंटे बिजली उपलब्ध हो सकती है तो उत्तर प्रदेश की जनता को देश में सबसे महंगी और बिना कटौती 24 घंटे बिजली क्यों नहीं उपलब्ध हो पा रही है ? जबकि भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश की जनता को मुफ्त और 24 घंटे बिजली देने का वादा किया था आखिर यह वादा जुमला क्यों हो गया? जनता जानना चाहती है।उत्तर प्रदेश में 27000 मेगावाट बिजली की जरूरत है, और मात्र 4 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है. 23 हजार मेगावाट बिजली बाहर से खरीदी जा रही है.उसके बावजूद 10– 12 घंटे की बिजली कटौती होती है. अघोषित बिजली कटौती से लोग बेहद परेशान है।बिजली विभाग में वर्तमान में 1 लाख कर्मचारियों की जरूरत है लेकिन मात्र 34 हजार कर्मचारी बिजली विभाग में कार्यरत हैं. 66 हजार बिजली कर्मचारियों की कमी है जिसकी वजह से विभाग ठीक से काम नहीं कर पा रहा है।ट्रांसफार्मर फूंक जा रहे है, जगह जगह तार टूट रहे है. कर्मचारियों के अभाव में काम नहीं हो पा रहा है और लोग गर्मी में रहने को मजबूर है।आम आदमी पार्टी ने आज गुरुवार को पूरे प्रदेश में बिजली कटौती को लेकर शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन कर आपसे निम्नलिखित मांग की है।1. प्रदेश में निर्बाध बिजली आपूर्ति कराई जाये जिससे इस भयंकर गर्मी से लोगों को निजात मिल सके और लोगों की मौतें न हों। 2. गर्मी के कारण प्रदेश में जो मौतें हुई है उन मृतक के परिवार को उचित मुआवजा और सरकारी नौकरी दी जाये 3. बिजली विभाग में रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरा जाये। इस मौके पर महाराणा प्रताप वार्ड के पार्षद मोहम्मद सुफियान जिला उपाध्यक्ष नदीम राजा मोहित महाराज व्यापार प्रकोष्ठ महासचिव इसराइल घोसी जिला महासचिव सुनील मौर्य यूके द्विवेदी गायत्री मिश्रा श्रम प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष स्वर्णिम वर्मा विद्यावती वर्मा नीलेश चतुर्वेदी शारजहां मास्टर दिलीप वर्मा मोहम्मद दानिश सिद्धार्थ पांडे राजकुमार रमेश आदि लोग उपस्थित थे।

पत्रकार एसोसिएसन बल्दीराय इकाई द्वारा आयोजित सम्मान समारोह

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील के सभागार में बल्दीराय पत्रकार एसोसिएशन इकाई द्वारा

पत्रकार सम्मेलन एवं स्मारिका का विमोचन हुआ मुख्य अतिथि के तौर पर इसौली विधायक मोहम्मद ताहिर खान रहे। विशिष्ट अतिथि जिला ब्लाक प्रमुख श्री शिव कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी बल्दीराय महेंद्र कुमार श्रीवास्तव,उप जिलाधिकारी लंभुआ बंदना पांडे, चिकित्सा प्रभारी राजेश प्रजापति, तहसीलदार घनश्याम भारतीय, केके तिवारी, सीडीपीओ राजवती सिंह, चंद्रशेखर सोनकर पारा चौकी इंचार्ज, प्रबंधक मनोज कुमार सिंह निर्मल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर उप जिलाधिकारी महेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इसौली विधायक मोहम्मद ताहिर खान ने पत्रकार एसोसिएशन अध्यक्ष पीर मोहम्मद के टीम की सराहना की उन्होंने कहा ऐसे आयोजन करने से समाज में संदेश जाता है पत्रकार अपनी जान जोखिम में डालकर समाज के प्रति निष्ठावान रहता है । पत्रकार भारत का चौथा स्तंभ हैं। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी महेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने पत्रकारिता के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे लोगों की सराहना की उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज एवं सरकारी महकमा के बीच खड़े होते हैं पत्रकार द्वारा सुझाए गए कार्यों को एवं विकास कार्यों में भ्रष्टाचार को उजागर करने का कार्य करता है जिससे हम लोग सही दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं । पत्रकारिता क्षेत्र में कार्य कर रहे बुद्धिजीवियों की हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया । पत्रकार एसोसिएसन संघ अध्यक्ष डाक्टर अवधेश शुक्ला ने कहा कि पत्रकारिता आज मुश्किल दौर से गुजर रही है एक सच्चे जुझारू ईमानदार पत्रकार की हमेशा प्रशंसा होती हैं ।यह उम्मीद की जाती हैं कि सच्चे पत्रकार द्वारा सच्ची खबरें प्रकाशित की जाएं। कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख शिव कुमार सिंह, आमिल सिद्दीकी , विनोद पाठक, विकास शुक्ला आदि ने अपने अपने विचार रखे। वहीं पुष्कर अग्रहरि, पीयूष प्रखर, अखिलेश डाली ने शायराना अंदाज में कविताएं पढ़ी। कार्यक्रम का संचालन कर्मराज शर्मा तुकांत ने किया। बल्दीराय पत्रकार एसोसिएसन अध्यक्ष पीर मोहम्मद ने आये हुए समस्त अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में पत्रकार नवीन शर्मा, शिव कुमार दुबे, इम्तियाज रिजवी, कुड़वार पत्रकार एसोसिएसन अध्यक्ष उदय भान मिश्र, नितिन विश्वास, धर्मेंद्र तिवारी, दयाराम अग्रहरि, एसएन पाठक, बल्दीराय पत्रकार एसोसिएसन उपाध्यक्ष इम्तियाज खान, निसार अहमद, सम्पादक कलीम खान, प्रेम प्रकाश महामंत्री, सोहेल आलम खान कोषाध्यक्ष, सैयद सनाउद्दीन मीडिया प्रभारी, एएन पांडे सचिव, अतुल प्रताप सिंह, मोहम्मद तफ्सीर संदीप तिवारी लौलाख अहमद संरक्षक, पत्रकार आलोक कुमार श्रीवास्तव, धर्मेंद्र पाठक, तनवीर आलम खान, आमिर सिद्दीकी, मोहम्मद इस्राइल, सुधा फाउंडेशन अध्यक्ष सुधा सिंह, विजय बहादुर सिंह व्यायाम शिक्षक, एआरपी शमीम खान, शिक्षक कदीर अहमद, प्रधान धर्मेंद्र तिवारी, सपा नेता बृजेश यादव सहित सैकड़ों पत्रकार एवं प्रधान बीडीसी सदस्य मौजूद रहे।

इसौली विधायक ने मृतक के परिजनों को दस हजार की आर्थिक सहायता

सुलतानपुर। इसौली विधायक का विधानसभा क्षेत्र भ्रमण के क्रम में धनपतगंज ब्लाक के ब्राहिमपुर गांव में पिछले दिनों नदी में डूबने से हुई थी मौत मृतक के घर जाकर विधायक ने परिवारजनों को ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का दिया आश्वासन।मृतक के परिवार को 10 हजार की आर्थिक मदद के साथ साथ दो बेटियां जो हाईस्कूल पास करने के बाद आर्थिक कमजोरी के चलते पढ़ाई रुक गई थी।जिनको आगे की पढ़ाई के लिए समुचित खर्च का भी दिया आश्वासन। इसी गांव में ही और एक बच्चे की नदी में डूबने से हुई थी मौत।मृतक के घर जाकर हर संभव मदद के लिए विधायक ने आश्वासन दिया।तो वही, केवटली गांव में रामदेव यादव जिसके कच्चे घर पर पेड़ गिर जाने से घर छतिग्रस्त हो गया था।विधायक ने मदद के लिए एसडीएम बल्दीराय से फोन पर वार्ता की,तो एसडीएम ने उचित कार्यवाही कर मदद की बात कही।इस मौके पर उमाकांत यादव,बृजेश यादव,रिंकू यादव,आशीष यादव,मुन्ना यादव,संजय यादव,राजू निषाद,अर्जुन यादव,नंद्रे यादव,अखिलेश विश्वकर्मा,राजू तिवारी,अशोक यादव,मनोज यादव,अनुज निषाद आदि लोग मौजूद रहे।

19 जून को सीएचसी बीकापुर में प्रसूता की हुई मौत पर अधीक्षक ने शुरू करवाई जांच

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव) बीकापुर सीएचसी पर 19 जून दोपहर को प्रसूता की मौत के मामले में सीएचसी अधीक्षक डा अवधेश सिंह ने जांच शुरू करवाई है। मामले को लेकर पुहुपी एएनएम सेंटर की नीतू सिंह ने 19 जून को महिला को चेक करते हुए जिला अस्पताल जाने की सलाह दिया था। लेकिन चुपके से प्रसूता रंजू सीएचसी बीकापुर आ गई और हाई रिस्क होने व हिमोग्लोबिन काफी कम 6 प्रतिशत होने के बाद भी सीएचसी के कर्मचारियों द्वारा लापरवाही करते हुए प्रसूता को भर्ती किया और उसके बाद उसकी मौत हो गई।मामले में शुक्रवार को डाक्टर रामनाथ पीड़िता के गांव खेवली जांच को गए है। इस मामले में पुहुपी एएनएम ने बताया कि महिला का आठवां बच्चा था, काफी कमजोर थी इसलिए उसे मैने जिला अस्पताल जाने के लिए पर्चा दिया था।चर्चा है सीएचसी में कुछ कर्मचारी पैसे के बल पर लोगो के जीवन से खिलवाड़ कर रहे है। कई लोगो ने बताया की जच्चा बच्चा वार्ड में खुलेआम कर्मचारी इनाम के नाम पर घुस लेते है। चर्चा है कि प्रसूता के पेट में बच्चा फसने से उसकी मौत हुई है।

साकेत वासी महंत श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर सत्य नारायण दास एवं जोगीराज पहाड़ी बाबा की मनी दूसरी पुण्य–तिथि

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या धाम के विद्या कुंड स्थित चतुर्भुजी भगवान का मंदिर एंव त्रिदेव आश्रम में साकेत वासी महंत श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर सत्य नारायण दास एवं जोगीराज पहाड़ी बाबा की दूसरी पुण्यतिथि मनाई गई। इस पुण्यतिथि के अवसर पर मंदिर में अनुष्ठान किए गया। उसके बाद अयोध्या के साधु संत संतो ने साकेत वासी महंत श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर सत्य नारायण दास एवं जोगीराज पहाड़ी बाबा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें अयोध्या के साधु संत सम्मिलित हुए और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। वही चतुर्भुज भगवान का मंदिर त्रिदेव आश्रम के महंत महामंडलेश्वर राम नारायण दास खंडेश्वरी ने बताया कि हमारे गुरु महाराज साकेत वासी महंत श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर सत्य नारायण दास एवं जोगीराज पहाड़ी बाबा की दूसरी पुण्यतिथि मनाई जा रही है। उसी के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया था। ये भंडारा सुबह से प्रारंभ हुआ और दोपहर तक चला जिसमें अयोध्या के साधु–संत व श्रद्धालु सम्मिलित और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर मंदिर के पुजारी संजय दास, परशुराम दास, प्रभु दास,रामायण दास, टाइगर बाबा, श्री महंत दामोदर दास रामायणी आदि अयोध्या के साधु–संत व श्रद्धालु सम्मिलित।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।